जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 152 प्रभात जालोर, सोमवार 8 सितम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय हॉकी टीम ने रविवार को राजगीर (बिहार) में फाइनल मुकाबले में पांच बार की हॉकी विजेता दक्षिण कोरिया की टीम को 4-1 से हराकर हीरो एशिया कप का खिताब अपने नाम करते हुए अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्वकप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। आज खेले गये हीरो एशिया कप के फाइनल मुकाबले में भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने (28वें, 45वें) मिनट, सुखजीत सिंह ने (पहले) मिनट और अमित रोहिदास ने (50वें) मिनट में गोल किए। दक्षिण कोरिया की ओर से 50वें मिनट में डैन सन ने गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। भारतीय टीम ने आखिरी मिनटों में बढ़ त बनाए रखी और आठ साल का लंबा इंतजार खत्म करने हुए एशिया कप का खिताब अपने नाम कर लिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद, हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ को 1.5 लाख रुपये देने की घोषणा की।

राजस्थान सरकार ने उत्तराखंड को 5 करोड़ रु. भेजे

जयपुर, 7 सितम्बर। उत्तराखण्ड में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के कारण उत्पन्न गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तराखण्ड के आपदा प्रभावित

■ **आपदा प्रभावित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिये मुख्यमंत्री भजनलाल ने 5 करोड़ रु. का ड्राफ्ट उत्तराखंड मुख्यमंत्री को भेजा।**

परिवारों को राहत पहुंचाने एवं पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से 5 करोड़ रुपये की सहायता राशि भेजी है। यह सहायता राशि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को डिमांड ड्राफ्ट (डी.डी.) के माध्यम से प्रदान की गई है। शर्मा ने इस संबंध में धामी से फोन पर बातचीत कर राजस्थान की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में राजस्थान, उत्तराखण्ड के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने धामी को लिखे पत्र में कहा कि उत्तराखण्ड में आई भीषण बाढ़ और उससे हुई जनहानि के समाचार अत्यंत दुखद एवं व्यथित करने वाले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी दिनभर भाजपा सांसदों की कार्यशाला में मौजूद रहे

उन्होंने सांसदों को अपने इलाके की जनता से जुड़ने व समस्याएं समझने की सलाह दी

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए रविवार का दिन बेहद खास रहा, जब सांसदों की कार्यशाला में उन्होंने एक सामान्य सांसद की तरह भाग लिया और सबसे पीछे जाकर बैठे। संसद के जी.एम.सी. बालयोगी सभागार में सुबह 10:45 बजे से लेकर शाम 6:45 बजे तक, पूरे दिन चली इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री ने सांसदों से सीधे संवाद किया। उन्हें एकता, जनसंपर्क, जागरूकता तथा जिम्मेदार संसदीय आचरण का संदेश दिया। मोदी ने सांसदों को 'टिफिन मीटिंग' का मंत्र दिया भी दिया उन्होंने साफ कहा कि छोटी छोटी बैठकें करें, लोगों की दिक्कतें जानें, ज्यादा से ज्यादा वक्त लोगों के बीच गुजारें। इस कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ साथ पार्टी के वरिष्ठ

■ **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सांसदों को ''टिफिन मीटिंग' का मंत्र दिया। उन्होंने कहा छोटी -छोटी बैठकें करें व ज्यादा से ज्यादा वक्त लोगों के बीच गुजारें।**

नेता और सांसद शामिल हुए।

इस कार्यशाला में उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी और विकसित भारत समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सांसदों से खुलकर बातचीत की और उन्हें कई जरूरी बातें बताईं, जो न केवल उनके काम को आसान बनाएंगी बल्कि जनता के साथ उनके रिश्ते को भी मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की ताकत एकता में छिपी है। सांसदों को अपने इलाके की जनता से जुड़ना चाहिए, उनकी समस्याएं समझनी चाहिए और मिलकर समाधान खोजने चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल चुनाव जीतने का खेल नहीं है, बल्कि यह सेवा का रास्ता है। इसलिए सांसदों का काम जनता के साथ संपर्क बनाए रखना और उनकी मदद करना है।

प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों की कठिनाइयों की बात की। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग जैसे मुद्दों पर जागरूकता की कमी है, जिससे कई परिवार परेशानी झेल रहे हैं। उन्होंने सांसदों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दें और यह देखें कि ज़रूरतमंदों तक मदद पहुँची है या नहीं। इसी क्रम में उन्होंने एक रोचक सुझाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्तों की 10 को दिल्ली में बैठक

इस बैठक में देशभर की मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा होगी

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) की 10 सितंबर को दिल्ली में बैठक बलायी है जिसमें पूरे देश में राज्यों की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने की तैयारी के बारे में विशेष रूप से चर्चा की जायेगी।

चुनाव आयोग सूत्रों ने रविवार को यहां कहा, ''आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ हर तीन महीने में बैठक करने का एक सिलसिला शुरू किया है। इसी तरह की एक बैठक दिल्ली में 10 सितंबर को बुलायी गयी है।''

सूत्रों के अनुसार इस बैठक में आयोग राज्यों के सीईओ के साथ प्रशासनिक और बजट संबंधी विषयों पर चर्चा करने के साथ साथ ही देशभर में मतदाता सूचियां

■ **चुनाव आयोग ने राज्यों के सीईओ के साथ तीन माह में बैठक करने का सिलसिला शुरु किया है।**

के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पर चर्चा कर सकता है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस और कुछ पार्टियों ने अपनी आपत्तियां व्यक्त की हैं और इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना रखा है। इस मुद्दे को उच्चतम न्यायालय में भी ले जाया गया है। न्यायालय ने बिहार की सूची के पुनरीक्षण पर कोई रोक नहीं लगायी है और पुनरीक्षण का काम अंतिम चरण की ओर अग्रसर है।

पांच हजार रु. का इनामी फर्जी चयनित अध्यापक गिरफ्तार

जयपुर, 7 सितम्बर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए पांच हजार रुपए के ईनामी फर्जी चयनित वरिष्ठ अध्यापक अरुण कुमार मीणा को गिरफ्तार किया है। एसओजी की जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी ने अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बिठाकर परीक्षा पास कर नौकरी हासिल की थी और पिछले काफी समय से एसओजी की पकड़ से भाग रहा था। फिलहाल आरोपी से पूछताछ

■ **आरोपी ने डमी कैंडीडेट बैठाकर परीक्षा पास की थी तथा काफी समय से एसओजी की पकड़ से भाग रहा था।**

की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने पांच हजार रुपए के ईनामी फर्जी चयनित वरिष्ठ अध्यापक अरुण कुमार मीणा (26) निवासी टोंक को गिरफ्तार किया है। जो 24 दिसम्बर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के जन्मदिन पर देशभर में ''नमो युवा रन'' आयोजित होगा

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रधानमंत्री की 75 वीं वर्षगांठ पर 75 स्थानों पर यह आयोजन करेगा

नयी दिल्ली, 07 सितंबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के मौके पर 17 सितंबर को देशभर में 75 स्थानों पर नशा मुक्त भारत के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा ''नमो युवा रन'' का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में इसकी घोषणा की। तेजस्वी सूर्या ने बताया कि फिटनेस के प्रतीक के तौर पर

■ **युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि नशा मुक्त भारत के लिये होने वाली इस दौड़ में दस लाख से अधिक युवा भाग लेंगे।**

पहचाने जाने वाले मॉडल, एक्टर मिलिंद सोमण नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस अवसर पर नमो युवा रन की टी शर्ट और एप भी लॉन्च किया गया।

सूर्या ने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर देश के जिन 75 स्थानों पर नमो युवा रन आयोजन हो रहा हैउनमें हर स्थान पर करीब 10,000 युवा के भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक नमो युवा रन में 10 लाख से अधिक युवा भाग लेंगे, जो देश के इतिहास की सर्वाधिक भागीदारी वाली दौड़ होगी। सत्रह सितंबर को सुबह 7 बजे 75 स्थानों पर नशा मुक्त भारत संकल्प के लिए एक साथ ये दौड़ शुरु होगी। इस अवसर पर मांडविया ने कहा कि मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष में 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक, भाजपा 15 दिनों तक सेवा पखवाड़ा मनाती है।

इस अवसर पर नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर मिलिंद सोमण ने कहा कि वह मोदी जी के फिटनेस के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ मसल्स या बॉडी बना लेना ही फिटनेस नहीं है बल्कि दैनिक जीवन के काम के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है।

पान मसाला, रियल एस्टेट कंपनियों पर छापे में साढ़े नौ करोड़ रु. बरामद

जयपुर, 07 सितंबर। आयकर विभाग ने रविवार को सर्च के दौरान जीपीएस डिवाइस की मदद से भांकरोटा इलाके में पान मसाले के अवैध गोदाम पर छापामारी कर करोड़ो रुपए का माल जब्त किया है। आयकर विभाग ने बरामद किया हुआ माल

■ **इनकम टैक्स विभाग की कार्यवाही में 1250 करोड़ रुपये के कैश लेन देन का खुलासा हुआ।**

कार्रवाई के लिए सीजीएसटी डिपार्टमेंट के हवाले कर दिया है। इसी के साथ आयकर विभाग ने राजस्थान में रियल एस्टेट और पान मसाला कारोबारियों के खिलाफ जयपुर और कोटा में 18 से ज्यादा ठिकानों पर सर्च कार्रवाही की है। विभाग की इस कार्रवाई में 1250 करोड़ रुपए के कैश-लेन-देन का खुलासा हुआ है। अभी तक सर्च में साढ़े नौ करोड़ रुपए कैश ओर साढ़े 10 करोड रुपए की ज्वेलरी भी विभाग को मिली है। जिसे जब्त कर लिया गया है।

'भाजपा और ''आप'' की राजनीतिक खींचतान से पंजाब को भारी नुकसान'

कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने पंजाब के तीन दिन के दौरे के बाद पत्रकारों से बात की

करतारपुर, 7 सितंबर । छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल ने रविवार को तीसरे दिन भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा जारी रखा और बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की।

पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जिनमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, गुरजीत सिंह औजला और अन्य नेता शामिल थे, के साथ बघेल आधी रात तक बाढ़ प्रभावित इलाकों में जमीनी हालात का जायजा लेते रहे।

यहां करतारपुर कॉरिडोर पर जनता और पत्रकारों से बातचीत करते हुए, बघेल ने कहा कि भाजपा शासित केंद्र और आप शासित पंजाब के बीच राजनीतिक खींचतान के कारण राज्य के लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों के बीच समन्वय की कमी का हवाला देते हुए, कहा कि पंजाब को यह नुकसान इसलिए उठाना पड़ा क्योंकि इन्हें अपने मामले सेटल करने थे।

उन्होंने कहा कि बाढ़ एक प्राकृतिक

■ **छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि बाढ़ एक प्राकृतिक आपदा है, पर दोनों सरकारें पंजाब के लोगों को राहत देने के लिये एक साथ नहीं बैठीं।**

आपदा है और इसने सभी को प्रभावित किया है, लेकिन फिर भी दोनों सरकारें पंजाब के लोगों को कोई राहत देने के लिए एक साथ नहीं बैठी हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेताओं का बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा महज दिखावा है, क्योंकि उनके पास पीड़ितों को देने के लिए कुछ नहीं है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि इस तरह की त्रासदी पर केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के बीच कोई बैठक नहीं हुई है। इस स्थिति ने लाखों लोगों को प्रभावित किया है और बाढ़ ने चार लाख एकड़ से ज़्यादा क्षेत्रफल में खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुँचाया है।

इस बीच, एक सवाल के जवाब में, वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने पंजाब की नदियों में अतिरिक्त पानी के कथित अनियंत्रित प्रवाह पर भी सवाल उठाया,उन्होंने कहा कि नदियों के बांध टूटने से भारी तबाही हुई है। उन्होंने गुरदासपुर, तरनतारन, अमृतसर, फिरोजपुर और फाजिल्का जिलों में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वह अपनी रिपोर्ट पार्टी नेता राहुल गांधी को सौंपेंगे, जो पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ पर चिंता व्यक्त करने वाले सभी राजनीतिक दलों में से पहले राष्ट्रीय नेता थे।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित पंजाब दौरे के बारे में एक सवाल के जवाब में, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष वड़िंग ने कहा कि इस समय राज्य में उनके दौरे का सभी स्वागत करेंगे, लेकिन हमें उम्मीद है कि पंजाब को पर्याप्त मुआवज़ा दिया जाएगा।

उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री राजनीति से ऊपर उठकर पंजाब के लोगों के प्रति उदार होंगे।

उन्होंने याद दिलाया कि यूपीए सरकार के दौरान, जब डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और राज्य में अकाली-भाजपा सरकार थी, तब भी पंजाब में बाढ़ आई थी और उन्होंने (डॉ. सिंह ने) बिना किसी देरी या राजनीति के राज्य को 1200 करोड़ रुपये की उदार सहायता प्रदान की थी।

चन्द्रग्रहण के कारण दिन में गंगा आरती हुई

वाराणसी 07 सितंबर। खग्रास चंद्रग्रहण के कारण वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर प्रत्येक सायंकाल होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती रविवार को दोपहर में आयोजित की गई।

■ **गत 34 वर्षों में यह पांचवी बार है कि गंगा आरती दिन में की गई।**

गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्र ने बताया कि चंद्रग्रहण के कारण मां गंगा की आरती परंपरागत तरीके से दोपहर 12 बजे शुरू हुई और सूतक काल से पहले सम्पन्न कराई गई।

पिछले 34 वर्षों में यह पांचवीं बार है जब मां गंगा की आरती दिन में आयोजित की गई। वर्ष 1991 में स्वर्गीय पंडित सतेंद्र मिश्र द्वारा दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा की आरती की शुरुआत की गई थी। इस अवसर पर कई श्रद्धालु और पर्यटक इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

वर्तमान में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण मां गंगा की आरती घाट की छत पर आयोजित की जा रही है। इससे पहले यह आरती 28 अक्टूबर 2023, 16 जुलाई 2019, 27 जुलाई 2018 और 7 अगस्त 2017 को चंद्रग्रहण के कारण दिन में सम्पन्न की गई थी।

खड़गे ने मोदी सरकार पर सुरक्षा के मुद्दों पर गुमराह करने का आरोप लगाया

उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति व्यक्तिगत मित्रता से तय नहीं की जा सकती

कलबुर्गी, 07 सितंबर। कर्नाटक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को मोदी सरकार को निशाने पर लेते हुए सुरक्षा के मुद्दों पर देश को गुमराह करने, चुनावी लाभ के लिए गरीबों का शोषण करने और संतुलित विदेश नीति की भारत की दीर्घकालिक परंपरा को त्यागने का आरोप लगाया ।

खरगे ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी सीमा की स्थिति से निपटने के सरकार के तरीके ने स्पष्ट विरोधाभासों को उजागर किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने शुरुआत में किसी भी घुसपैठ से इनकार किया लेकिन बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद चीन में 'घुसपैठ' (दौरा) किया, जो उसकी कथनी और करनी में अंतर को दर्शाता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ऐसे विरोधाभासी बयान भारत की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं जिससे दुनिया को गलत संकेत मिलते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के बाबत बोलते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने हमेशा ऐसे सुधारों का समर्थन किया है जिनसे गरीबों को सचमुच का लाभ हुआ हो। उन्होंने मोदी सरकार पर कई स्लैब बनाकर व्यवस्था को जटिल बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, जब राहत देने के लिए दो स्लैब पर्याप्त थे, तो उन्होंने चार या पांच भ्रामक स्लैब पेश कर दिए, जिससे उन्हीं लोगों को नुकसान हुआ जिनकी मदद करने का दावा किया गया है।

खरगे ने मोदी की कूटनीतिक शैली पर भी

■ **कर्नाटक में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र, व्यवारिक और राष्ट्रीय हित पर आधारित होनी चाहिये। वह निजी स्वार्थी या चुनाव के समय की बयानबाजी से प्रभावित नहीं होनी चाहिये।**

निशाना साधा और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप को बार-बार 'दोस्त' कहने को लेकर आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यक्तिगत अनुमानों ने भारत के कूटनीतिक संतुलन को बिगाड़ दिया है और घरेलू और विदेश दोनों स्तरों पर गलत धारणा बनाई है। उन्होंने आगे कहा, ''भारत की विदेश नीति व्यक्तिगत मित्रता से तय नहीं की जा सकती।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा तैयार की गई भारत की गुटनिरपेक्ष नीति को याद करते हुए कहा कि इसने देश को दशकों तक वैश्विक सम्मान और रणनीतिक स्थान दिलाया। उन्होंने कहा, ''अगर मौजूदा सरकार उस दृष्टिकोण को जारी रखती तो हमें वर्तमान की जटिलताओं का सामना नहीं करना पड़ता।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

व्यस्त मनुष्य को आंसू बहाने का अवकाश नहीं। –बायरन

.......ताकि कर्मचारियों की सेहत ठीक रहे!

पिछले कुछ समय से हम राजस्थान सरकार की एक योजना के बारे में अनेक अप्रिय ख़बरें पढ़ रहे हैं। ख़बरें इस आशय की कि इस योजना के लाभार्थियों और सेवा प्रदाताओं ने अनेक प्रकार के घपले किए और सरकार को उन पर कार्रवाई करनी पड़ी। ख़बरें इस आशय की कि अनेक निजी अस्पतालों ने अलग-अलग कारणों से इस योजना के तहत अपनी सेवाएं देने से मना कर दिया या सेवाओं को सीमित कर दिया, वगैरह। मेरे लिखे बिना भी हमारे अधिकांश पाठक समझ गए होंगे कि मैं किस योजना की बात कर रहा हूं। यह योजना है आरजीएचएस (RGHS) अर्थात राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम। पिछली अशोक गहलोत सरकार ने सन् 2021 में यह योजना प्रारंभ की थी और इस योजना को सभी ने, विशेष रूप से इसके लाभार्थियों ने खूब सराहा था। इस योजना के तहत राजस्थान सरकार के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके परिवारजन, अखिल भारतीय सेवाओं के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारीगण, राज्य की स्वायत्तशाषी संस्थाओं जिनमें विभिन्न बोर्ड व निगम भी शामिल हैं, के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मचारी और राज्य के न्यायाधीश व पूर्व न्यायाधीशों आदि को एक कार्ड ज़ारी कर विभिन्न अस्पतालों में बिना भुगतान किए (कैशलेस) चिकित्सा, जांचों और दवाओं की सुविधा प्रदान की गई। इस योजना के लागू होने से पहले राज्य में इन अलग-अलग श्रेणी के लोगों के लिए अलग-अलग योजनाएं चल रही थी। सरकार ने एक नेक इरादे के साथ उन सारी योजनाओं को केंद्र सरकार की सीजीएचएस (CGHS) योजना की तर्ज़ पर समेकित कर इन सबको बिना भुगतान के चिकित्सा सुविधा आदि सुलभ करने की यह योजना लागू की। इस योजना की अनेक बारीक बातें भी थीं, सभी लाभार्थियों के लिए अलग-अलग तरह की सुविधाएं थी। उस विस्तार में हम नहीं जाएंगे।

प्रारंभ में यह योजना सरकारी अस्पतालों में सुलभ थी लेकिन बाद में इसे सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी सुलभ करा दिया गया। सरकारी जानकारी के आधार पर इस योजना में कुल तेरह लाख तेईस हज़ार लोग पंजीकृत हैं और उनके परिवारजन की कुल संख्या सैंतीस लाख बीस हज़ार है। राजस्थान में एक हज़ार सात सौ अठारह और राजस्थान से बाहर चालीस अस्पताल इस योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। राजस्थान में दवा की चार हज़ार आठ सौ चौवन दुकानें इस योजना के तहत बिना पैसे चुकाए दवा देने के लिए सूचीबद्ध हैं। इन आंकड़ों में थोड़ा बहुत अंतर हो सकता है, लेकिन इनसे इस योजना की व्यापकता का अनुमान लगाया जा सकता है। सन् 2021 से पहले भी इन लाभार्थियों में से अधिकांश के लिए राजस्थान सरकार की तरफ से चिकित्सा सुविधा उपलब्ध थी लेकिन तब इन्हें भुगतान करना होता था और बाद में उसका पुनर्भरण होता था। पुनर्भरण में अनेक अड़चनें भी आती थीं और विलंब तो आम था। सबसे बड़ा संकट तो बीमार होते ही अपनी जेब से पैसे खर्च करने का था। ऐसे में यह कैशलेस सुविधा सारे लाभार्थियों को और विशेष रूप से राज्य सरकार के कर्मचारियों व पेंशनरों को एक वरदान लगी।

इस योजना की विशालता का अनुमान कुछ तथ्यों से लगाया जा सकता है। लगभग आठ करोड़ की कुल आबादी वाले राजस्थान के लगभग तेरह लाख लाभार्थियों ने इस योजना के तहत 2021 से 2025 तक दो करोड़ बार ओपीडी (OPD) की सेवाएं ली और उन्नीस लाख से कुछ ज़्यादा बार आईपीडी (IPD) या डे केयर की सेवाएं ली। बड़े लोगों की बात न भी करें तो इसे स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि अल्प वेतनभोगी कर्मचारियों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और फेमिली पेंशन पाने वालों के लिए यह योजना सही अर्थों में जीवन रक्षक साबित हुई है। लगातार बढ़ती जा रही महंगाई और बहुत द्रुत गति से महंगी होती जा रही चिकित्सा सुविधाओं के इस समय में और ख़ास तौर पर तब जब कि हमारे अधिकांश सरकारी अस्पताल रोगियों की भीड़, कार्मिकों व बजट की कमी और कुल मिलाकर सरकारी उपेक्षा की वजह से विश्वसनीय नहीं रह गए हैं, निजी अस्पतालों में कैशलेस सुविधा का मिल जाना बहुत बड़ी राहत की बात लगी। जीवन के कीमती साल सरकारी नौकरी को समर्पित कर चुकने के बाद पेंशन के भरोसे जीवन यापन करने वाले कर्मचारी को या उसके दिवंगत हो जाने पर उसके आश्रितों को चिकित्सा सुविधा के लिए निश्चिंत कर निश्चय ही सरकार ने एक सराहनीय काम किया। मैं बार-बार कर्मचारियों की ही बात कर रहा हूं, इसका कारण सर्व विदित है। यही देखें कि जनप्रतिनिधिगण एक अलग ही श्रेणी है और उन्हें वह सब सहजता से सुलभ रहता है जिसका हम सपना भी नहीं देख पाते हैं।

> **कुल मिलाकर यह सभी सम्बद्ध पक्षों का साझा दायित्व है कि इस योजना को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करें। एक ऐसे समय में जब चिकित्सा सेवाएं महंगी होती-होती बहुतों की पहुंच से बाहर हो गई हैं, स्वास्थ्य बीमा कम्पनियां भारी प्रीमियम लेकर भी ज़रूरत पर काम आने के मामले में कोताही बरतने लगी हैं और सरकार ने उनकी नाजायज़ हरकतों की तरफ से आंखें मूंद रखी हैं, कर्मचारियों का एकमात्र सहारा यह आरजीएएचएस योजना ही है और इसे ठीक से चलाया जाना बहुत ज़रूरी है।**

तो यह एक बेहतरीन योजना थी लेकिन शुरु होने के चार बरस बीतते-बीतते बल्कि इससे थोड़ा पहले से इस योजना को लेकर अनेक अप्रिय समाचार आने लगे थे। सबसे पहले तो इस आशय की ख़बरें आई कि बहुत सारे सूचीबद्ध निजी अस्पतालों ने इस योजना के लाभार्थियों को सेवाएं देने में कई किस्म के अडंगे लगाए। फिर यह कि कई निजी अस्पतालों ने अचानक यह कहते हुए सेवाएं देना बंद कर दिया कि सरकार ने लम्बे समय से उनके बिलों का भुगतान नहीं किया है। ऐसा ही अनेक सूचीबद्ध दवा विक्रेताओं ने भी किया। इन कारणों से योजना के लाभार्थियों को अनेक असुविधाओं का सामना करना पड़ा। आप बीमार हैं और आपके पास इतने पैसे नहीं हैं कि अस्पताल का भारी बिल चुका सकें और दवाओं पर बड़ी रकम खर्च कर सकें तो परेशानी तो होगी ही। इसके बाद इस आशय की ख़बरें आई कि योजना का दुरुपयोग करने में कर्मचारी, अस्पताल, दवा विक्रेता और चिकित्सक सभी शामिल रहे हैं। अनेक कर्मचारियों ने अपने कार्ड पर किसी अनधिकृत व्यक्ति का इलाज करवा लिया तो बहुत सारे मामले ऐसे भी सामने आए कि डॉक्टर ने बहुत ज़्यादा दवाएं लिख दीं और मरीज़ ने दवा विक्रेता से मिली भगत कर उन दवाओं की बजाय अन्य सामग्री ले ली। रोगी को बिना भर्ती किए ही अस्पताल ने बिल बना कर सरकार को पेश कर दिया, या अनावश्यक जांचों का भुगतान प्राप्त कर लिया गया। सरकार ने अपने स्तर पर इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए अपनी व्यवस्थाओं को और अधिक कड़ा भी किया, और जो लोग, चाहे वे लाभार्थी हों, दवा विक्रेता हों, डॉक्टर हों या अस्पताल प्रबंधक हों, ग़लत काम करते हुए पकड़े गए उनके खिलाफ़ समुचित कार्रवाई भी की। लेकिन लाभार्थी इस बेहतरीन योजना से जिस आश्वस्ति और सुविधा की आस लगाए हुए थे, वह आस पूरी नहीं हो सकी। इसकी सबसे बड़ी वजह तो यही है कि सरकार अस्पतालों व दवा विक्रेताओं को समय पर भुगतान नहीं करती है। प्रतीक्षा करते-करते उनका धैर्य चुक जाता है और थक हार कर वे अपनी सेवाएं देना बंद कर देते हैं। इसका सीधा असर लाभार्थियों पर और ख़ास तौर पर अल्प वेतन भोगी कर्मचारी या उसके आश्रितों पर पड़ता है। सरकार के काम करने की अपनी गति होती है। वह सरक-सरक कर चलती है जबकि बीमारी किसी को अपने आगोश में लेने के लिए इस बात का ध्यान कहां रख पाती है कि सब कुछ ठीक हो तभी वह अपना काम करे।

निश्चय ही किसी भी योजना का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। आदर्श स्थिति तो यही है कि कोई भी- लाभार्थी या सेवा प्रदाता- उसका दुरुपयोग न करे। लेकिन आदर्श स्थिति तो केवल किताबों में होती है। जीवन में कहीं भी आदर्श स्थिति देखने को नहीं मिलती है। मौका मिलने भर की देर होती है, घपला हो जाता है। ऐसे में सरकार की कड़ाई और ग़लत काम करने वाले को दंड का ही सहारा रह जाता है। और मुझे यह स्वीकार करने में कोई संकोच नहीं है कि सरकार अपनी तरह से इस स्कीम को फुलप्रूफ बनाने के लिए भरपूर प्रयास कर रही है। अनेक बदलाव उसने किए हैं और जैसे-जैसे नए मामले सामने आते जाएंगे, वह उनसे सबक लेकर अपनी व्यवस्था को बेहतर बनाएगी। मैं सरकार से यह उम्मीद करता हूं कि वह एक समय सीमा तयकरे जिसमें अस्पतालों व दवा विक्रेताओं का भुगतान हर हालत में हो जाए। और अगर न हो तो सम्बद्ध कार्मिक को इसके लिए दंडित किया जाए ताकि इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति न हो। इसी तरह अगर कोई अस्पताल या दवा विक्रेता योजना के लाभार्थी को सेवा प्रदान करने में आनाकानी करे या उसे परेशान करे तो उसके खिलाफ़ भी त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए। ये जो बहुत सारे अस्पताल मनमर्ज़ी से योजना का क्रियान्वयन रोक देते हैं इस पर नियंत्रण किया जाना चाहिए। ख़ुद सरकारी कर्मचारियों (और अन्य लाभार्थियों) से भी यह अपेक्षा की जानी चाहिए कि वे इस योजना का दुरुपयोग न करें। ऐसा करना ख़ुद उनके ही हितों को आहत करता है। कुल मिलाकर यह सभी सम्बद्ध पक्षों का साझा दायित्व है कि इस योजना को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करें। एक ऐसे समय में जब चिकित्सा सेवाएं महंगी होती-होती बहुतों की पहुंच से बाहर हो गई हैं, स्वास्थ्य बीमा कम्पनियां भारी प्रीमियम लेकर भी ज़रूरत पर काम आने के मामले में कोताही बरतने लगी हैं और सरकार ने उनकी नाजायज़ हरकतों की तरफ से आंखें मूंद रखी हैं, कर्मचारियों का एकमात्र सहारा यह आरजीएएचएस योजना ही है और इसे ठीक से चलाया जाना बहुत ज़रूरी है।

–अतिथि संपादक,
दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

भारत को बहुत सावधानी रखनी होगी बहुध्रुवीय विश्व में

सुरेन्द्र सिंह शेखावत

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में, जहां महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा चरम पर है, भारत की विदेश नीति एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के 2024 चुनाव में पुनः जीतने पर भारतीय अखबारों द्वारा व्यक्त की गई भारी खुशी से लेकर ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ, पहलगाम आतंकी हमले के बाद अमेरिका का पाकिस्तान की ओर झुकाव, पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असिम मुनीर को ट्रंप द्वारा लंच पर आमंत्रित करना, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बढ़ती निकटता, भारत-चीन-रूस का उभरता गठबंधन तथा नया विश्व क्रम-ये सभी घटनाएं भारत की विदेश नीति में गहन बदलाव को रेखांकित करती हैं। इन घटनाओं का विश्लेषण करते पर समझा जा सकता है कि कैसे भारत रणनीतिक स्वायत्तता और बहु-संरेखण की नीति अपनाकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ट्रंप की 2024 चुनाव में जीत ने भारतीय मीडिया में उत्साह की लहर दौड़ा दी। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को सबसे पहले बधाई दी और उन्हें दुनिया का सबसे अच्छा नेता कहा। भारतीय मीडिया ने ट्रंप की जीत को भारत के लिए अवसर के रूप में चित्रित किया। हालांकि, यह खुशी क्षणिक साबित हुई, क्योंकि ट्रंप ने रूसी तेल और हथियारों की खरीद का बहाना बनाकर भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ थोप दिए, ट्रंप ने इसे एकतरफा आपदा करार दिया और कहा कि भारत अमेरिकी सामानों पर टैरिफ कम करे। इस कदम ने भारत-अमेरिका संबंधों में दरार पैदा की और भारत को अपनी अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए वैकल्पिक साझेदारों की ओर मोड़ दिया। मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पर जोर देते हुए इन टैरिफों को चुनौती दी, लेकिन इससे स्पष्ट हो गया कि अमेरिका के साथ निर्भरता जोखिमपूर्ण है।

इसके बाद, अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले ने दक्षिण एशिया में तनाव बढ़ा दिया। ट्रंप प्रशासन ने हमले की निंदा की और टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित किया, लेकिन अमेरिका का पाकिस्तानी के प्रति सॉफ्ट कार्नर जाहिर हुआ। यह झुकाव अफगानिस्तान और मध्य एशिया में अमेरिकी हितों से जुड़ा था, जहां पाकिस्तान की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत के लिए यह एक झटका था, क्योंकि यह पुलवामा हमले के वक्त अमेरिकी भूमिका संदिग्ध ही दिखाई। । अब ट्रंप की नीति ने भारत को अमेरिका पर कम भरोसा करने के लिए मजबूर किया।

इस संदर्भ में, जून 2025 में ट्रंप द्वारा पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असिम मुनीर को व्हाइट हाउस में लंच पर आमंत्रित करना एक चौंकाने वाला कदम था। ट्रंप ने मुनीर की प्रशंसा की और इसे रणनीतिक रोमांस कहा, जबकि भारत के साथ तनाव चरम पर था। अगस्त में मुनीर की दूसरी यात्रा ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों को मजबूत किया। इससे भारत की विदेश नीति में बदलाव आया, जहां अमेरिका के साथ साझेदारी जारी रखते हुए भी पाकिस्तान मुद्दे पर स्वतंत्र रुख अपनाया गया। इसके विपरीत, अगस्त 2025 में तियानजिन में आयोजित एससीओ समिट ने भारत की विदेश नीति की नई दिशा दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने शी जिनपिंग से सीमा विवाद सुलझाने की प्रतिबद्धता जताई और पुतिन के साथ हाथ पकड़कर चलते हुए निकटता प्रदर्शित की। मोदी और पुतिन ने कार में साथ यात्रा की, जो ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ एकजुटता का संदेश थी। मोदी ने कहा कि रूस और भारत मुश्किल समय में साथ खड़े रहते हैं। यह निकटता भारत-चीन-रूस के उभरते गठबंधन को रेखांकित करती है, जहां एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच अमेरिकी प्रभुत्व के खिलाफ वैकल्पिक व्यवस्था प्रदान करते हैं। भारत रूसी तेल खरीदता रहेगा, जबकि चीन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाएगा। हालांकि, यह गठबंधन पूर्ण नहीं है; उसका चीन के साथ पिछला अनुभव अच्छा नहीं रहा है।

ये घटनाएं एक नए विश्व क्रम की ओर इशारा करती हैं। 2025 में, विश्व बहुध्रुवीय हो चुका है, जहां अमेरिका का एकध्रुवीय प्रभुत्व कमजोर पड़ रहा है। चीन, रूस और भारत जैसे उभरते ध्रुव वैश्विक अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को आकार दे रहे हैं। संसाधन युद्ध, जलवायु संकट और राजनीतिक उठावाद बढ़ रहे हैं, जबकि एससीओ जैसी संस्थाएं बहुपक्षीयता को बढ़ावा दे रही हैं। ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति ने इस बदलाव को तेज किया, जिससे भारत जैसे देश वैकल्पिक गठबंधनों की ओर मुड़े।

भारत की बदलती विदेश नीति का मूल अब बहु-संरेखण की ओर है क्योंकि विश्व द्विध्रुवीय नहीं रहा। मोदी युग में, भारत अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारी (क्वाड) बढ़ाता है, रूस से हथियार खरीदता है, और चीन के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखता है। यह नीति जोखिमों को कम करती है, हालांकि इस राह में चुनौतियां बहुत हैं-सीमा विवाद, पाकिस्तान का मुद्दा और आर्थिक निर्भरता। फिर भी, बहु-संरेखण भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत बनाता है, जहां वह स्वतंत्र निर्णय ले सकता है। कुल मिलाकर नए दौर में भारत को किसी गठबंधन का पिछलग्गू बनकर खड़ा रहने की बजाय अपने हित के अनुरूप स्वतंत्र निर्णय लेने होंगे । ड्रेगन द्वारा दिए गए ऐतिहासिक झटकों को भी याद रखना होगा। भारतीय मीडिया को भी अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं पर किसी की जीत पर स्वागत में बिछ जाने की बजाय राष्ट्र प्रथम की नीति पर अपना स्टैंड क्लियर रखना होगा। ट्रंप की जीत पर शुरुआती खुशी से लेकर एससीओ में नई निकटताओं तक, भारत की विदेश नीति में बदलाव साफ नजर आ रहे है । नया विश्व क्रम बहुध्रुवीय है, और भारत इसमें एक प्रमुख खिलाड़ी बनकर उभर रहा है। यह नीति न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करती है, बल्कि वैश्विक शांति में योगदान देती है। आने वाले वर्षों में, भारत को इस पथ पर सतर्क रहना होगा, ताकि चुनौतियां अवसरों में बदल सकें।

- डॉ. सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक हैं।)

क्षमावाणी दिवस : विश्व का एक अद्भुत पर्व

भागचंद जैन

सभी धर्मों का परम् उद्देश्य आत्म कल्याण, मानव कल्याण एवं जीवमात्र का कल्याण है। इन उद्देश्यों की पूर्ति तभी सम्भव है जब हम धर्मानुरूप आचरण करे, लेकिन हम एक सामाजिक प्राणी है। सबके अलग अलग प्रकार के कार्य होते है, आमदनी अलग अलग होती है, विचार भी अलग होते है आदि। इस तरह इन अंतर से मतभेद एवं मनभेद प्रारम्भ होने लगते हैं, जो मानसिक अशांति एवं क्रोध का कारण बनते है एवं कभी कभी विकराल स्थिति पैदा हो जाती है कि पटरी पर लाना मुश्किल हो जाता है। मानव जीवन में यह एक सामान्य प्रक्रिया का अंग है। लेकिन इन सब विपरीत स्थितियों से पार पाने के लिए एक अद्भुत हथियार 'क्षमा' का सहारा प्राप्त है। सभी काय के जीवों में मात्र मनुष्य के पास ही क्षमा का विकल्प होता है। क्षमा में क्षमा मांगना एवं क्षमा करना दोनों ही प्रभावशाली है। जो त्रुटि करता है उसके पास क्षमा मांगने का उपाय रहता है। जानबूझकर की गई त्रुटि में अहम का भाव रहता है, वह क्षम्य नहीं होती है। लेकिन मन की मलीनता दूर कर क्षमा मांगने से जाने अनजाने में की गई त्रुटियों की क्षमा याचना का विकल्प सदैव रहता है एवं बुद्धिमान व्यक्ति इसका उपयोग करते है।

कैसे मनाते है ? :कोई जैसा कर्म करेगा उसे वैसा ही फल मिलेगा। अतः सुखद जीवन हेतु कर्मों की विशुद्धि पर महत्व दिया गया है। जैन धर्म में दशलक्षण धर्म की पालना इसी का अंग है। दश धर्म आत्मा के स्वाभाविक धर्म है। जैन दर्शन में दशलक्षण पर्व के दिनों में दस धर्मो की आराधना करके हम अपने कर्मों की निर्जरा करते है। दशलक्षण धर्म की शुरुआत उत्तम क्षमा धर्म से एवं समापन अश्विन कृष्णा एकम के दिन जिनेन्द्र देव की पूजा पाठ एवं अभिषेक के बाद सभी जिन मंदिरों में सामूहिक रूप से वृहत रूप में, सौहार्दपूर्ण वातावरण में क्षमावाणी पर्व के साथ समापन करते है। इस दिन सभी लोग बिना किसी विकल्प के सहज एवं सरल भाव से जाने अनजाने में हुई गलतियों के लिए एक दूसरे से एवं सामूहिक रूप से क्षमा याचना करते है। सचमुच में यह आत्मिक सुधार का एक अलौकिक त्यौहार है, जिसमें मन, वचन एवं कर्म के संगम से अर्थात अन्तस मन से क्षमा मांगी जाती है एवं क्षमा किया भी जाता है। हम अपने जीवन में कितने ही बुरे कर्म जानबूझ कर करते है और कितने ही हमसे अनजाने में हो जाते है। हमारे कृत्यों के कारण दूसरों का मन आहत हो जाता है। क्षमावाणी पर्व हमे वर्ष में कम से कम एक बार इस पर विचार करने का अवसर देता है, मन में बैर भाव की भावना को दूर करने का अवसर मिलता है।

क्षमा वाणी पर्व क्यों मनाते है ? :- दशलक्षण पर्व के बाद आने वाला क्षमावाणी पर्व इन दस धर्मों के उपदेशों को व्यावहारिक रूप देने का अवसर है। इस पर्व के माध्यम से एक-दूसरे के प्रति मन में पल रहे वैर-भाव, क्रोध और मन की मलीनता को धोने का अवसर हैं। क्षमावाणी पर्व क्षमा धर्म को चर्या में लाकर मूर्तरूप प्रदान करता है। क्षमा धर्म वर्ष में एक बार मनाने का ही त्यौहार नहीं है, यह श्रावकों की दिनचर्या का महत्वपूर्ण अंग है। प्रतिक्रमण के माध्यम से प्रतिदिन किए गए दोषों से मुक्त होने के लिए सभी जीवों से क्षमा याचना की जाती है एवं सभी को क्षमा भी किया जाता है।

क्षमा के गुण :- क्षमा भाव होने मात्र से ही अन्य गुण स्वतः आत्मसात होने लगते है। पर्व बहुत होते है, जिनमें बधाईयां एवं शुभकामनाएं दी जाती है। लेकिन जीवन में एक ऐसा दिन भी आना चाहिए जब हम अपनी आत्मा के बोझ को कुछ हल्का कर सके। अपनी भूलों का प्रायश्चित करना तथा आगे कोई भूल नहीं करना हमारे जीवन पथ पर आगे बढ़ने में सहयोगी होता है। शूरवीर की शक्ति का मापदंड ही क्षमा भावना होती है। क्षमा करना वीरों का आभूषण है। कायर तो प्रतिकार करते है। क्षमा करना एक कुलीन कार्य है, यह एक अन्तस का भाव है। अंतःकरण शुद्धि के आकांक्षी इस भाव को अपना सकते है ।

जब हम किसी से क्षमा मांगते है तो दरअसल हम अपने ऊपर ही उपकार करते है। हमारी आत्मा का बोझ हल्का होता है, अन्य व्यक्ति के मन में भी अच्छे भाव उत्पन होते है, इसी तरह आपसी वैमनस्य का अंत होता है।

हमारी संस्कृति कहती है - मित्ती में सव्व भूयेसु, वैर मँझन् ण केणवि। प्राकृत भाषा की इस सूक्ति का अर्थ है सभी जीवों में मैत्री- भाव रहे, कोई किसी से बैर -भाव न रखे। जैन संस्कृति ने इस सूक्ति को हमेशा दोहराया है। भगवान महावीर ने कहा है कि "कोहो पिई यपणा सई" अर्थात् क्रोध प्रीति का नाश करता है। क्रोध पर विजय पाने का एक मात्र उपाय क्षमा है। क्षमा से ही जीव को आत्म संतुष्टि एवं मानसिक शांति मिलती है।

क्षमा का प्रभाव :- क्षमापना से वैमनस्य दूर हो जाता है एवं मन हल्का हो जाता है। हम मात्र इस भाव से कई मानसिक एवं शारीरिक बीमारियों से बच सकते है। उदाहरणार्थ क्रोध के भाव से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का जमाव होने लगता है। दुर्बल व्यक्ति को ही अत्यधिक क्रोध आता है। अहम, बदले की भावना, क्रोध, ईर्ष्या भाव, गलती न मानना, दूसरे से आगे बढ़ने की इच्छा, अविवेकपूर्ण निर्णय आदि दुर्गुण मात्र क्षमा अपनाने से ही दूर हो सकते है। क्षमा भाव से परिवार में आपसी समन्वय, सद्भावना और एकता बनी रहती है। समाज भाईचारा बना रहता है, विकास की संभावनाएं बनती है। एक दूसरे के प्रतिद्वंदी के बजाय पूरक बनकर सहभागिता जन्म लेती है।क्षमा भाव से हैप्पी हार्मोन्स का श्राव है, जो खुशी का कारण बनता है।

क्षमा सर्वधर्म समन्वय का आधार :-क्षमा अपनाने पर केवल जैन धर्मावलंबियों का ही एकाधिकार नहीं है, तथापि जैन धर्म के शाश्वत सिद्धांतों की अनुपालना करने वाला कोई भी व्यक्ति क्षमावाणी पर्व मना सकता है। क्षमा एक ऐसा आत्मशोधक गुण है, जिसकी सभी को आवश्यकता होती है, क्योंकि मनुष्य को गलतियों का पुतला कहा जाता है। गलती मानना एवं उसमें सुधार करने का सभी को अधिकार होना चाहिए, इसी भावानुरूप उद्देश्य की पूर्ति हेतु क्षमा का उद्भव हुआ है। अन्तस के मूलगुण किसी धर्म -संप्रदाय से बंधे हुए नहीं होते, इसलिए क्षमापर्व सर्व धर्म समन्वय का आधार भी है। वैश्विक स्तर पर सीमा पर मनमुटाव, लड़ाई, मतभेद समाप्त होकर आपसी समन्वय एवं सद्भाव से पूरे विश्व में शांति स्थापित हो सकती है। रूस -यूक्रेन, चीन - ताइवान, इजराइल -फिलिस्तीन, भारत - पाकिस्तान आदि कई देशों के बीच जारी तनाव के बीच युद्ध विराम आसानी से हो सकता है, अभी हाल ही में आर्थिक मोर्चे पर शुरू हुआ टैरिफ वार का भी समाधान हो सकता है एवं विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह विश्व का अनोखा पर्व है, इस पर्व से विश्व की सभी समस्याओं के समाधान का मार्ग बन सकता है।

संकलन-भागचंद जैन
मित्रपुरा
अध्यक्ष अखिल भारतीय
जैन बैंकर्स फोरम जयपुर।

बाढ़ की आपदा में मुख्यमंत्री की राहत बनीं सहारा

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में तत्परता के साथ हरसंभव राहत प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ नागरिक सुरक्षा से लेकर चिकित्सा सेवाएं, खाद्य सामग्री की उपलब्धता सहित आवश्यक सेवाओं के सुचारू संचालन पर भी विशेष दिशा-निर्देश दिए और इनकी पालना में राज्यभर में बाढ़ में फंसे लोगों का पेशेवर ढ़ंग से बचाव कर बहुमूल्य मानव जीवन बचाये गये, प्रभावितों को समुचित सहायता और राहत दी गई।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। आम जनता की सुरक्षा के लिए सरकार ने कई एहतियाती कदम उठाए हैं। दुर्घटना संभावित स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाए जा रहे हैं और नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। राज्य स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1070 और जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का टोल फ्री नंबर 1077 लगातार सक्रिय हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें दिन-रात सक्रिय रहकर प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं। मानसून के दौरान एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों ने अब तक 1155 व्यक्तियों को सकुशल रेस्क्यू किया है। वर्तमान में पूरे राज्य में एसडीआरएफ की 62 टीमें, एनडीआरएफ की 7 टीमें और सिविल डिफेंस की टीमें सक्रिय रूप से कार्यरत हैं। वायुसेना के हेलिकॉप्टर से जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाया भी जा रहा है। राहत शिविरों में भोजन, स्वच्छ जल और दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में खरीफ 2025 में अतिवृष्टि से हुए फसल नुकसान के आकलन के लिए 1 अगस्त, 2025 से गिरदावरी का कार्य प्रारम्भ किया गया। गिरदावरी के कार्य उपरांत जिन जिलों में 33 प्रतिशत या इससे अधिक फसल खराब हुई है, वहां प्रभावित किसानों को केन्द्र सरकार के एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार कृषि आदान-अनुदान सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा विद्यालयों और आंगनबाड़ी भवनों की सुरक्षा को सर्वाच्च प्राथमिकता देते हुए वर्षाजनित परिस्थितियों के चलते घोषित अवकाश के दौरान भवनों का निरीक्षण, जल निकासी और आवश्यक मरम्मत का कार्य तुरंत पूरा करवाया जा रहा है ताकि बच्चों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जा सके।

राज्य सरकार द्वारा क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसंपत्तियों की मरम्मत हेतु एसडीआरएफ नॉर्म्स के अंतर्गत विभिन्न जिलों से मरम्मत कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त किए गए हैं। इन कार्यों में सड़क, पुल, विद्यालय भवन, आंगनबाड़ी केंद्र और स्वास्थ्य संस्थानों की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के कार्य शामिल हैं। प्रदेश के 12 जिलों में अब तक 180.67 करोड़ रुपए के 8,867 कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 4,183 विद्यालय भवनों के लिए 83.66 करोड़ रुपए, 930 आंगनबाड़ी भवनों के लिए 21.89 करोड़ रुपए, 165 पंचायत भवनों के लिए 3.57 करोड़ रुपए, 106 चिकित्सालय भवनों के लिए 2.08 करोड़ रुपए, 170 लघु सिंचाई योजनाओं के लिए 3.94 करोड़ रुपए, 3,128 सड़कों के लिए 64.34 करोड़ रुपए और 184 पुलों व पुलियाओं के लिए 1.14 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह, राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में सभी जिलों को बचाव उपकरणों के लिए 19.45 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। सभी संभागीय मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख रुपए तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए की राशि प्रदान की गई। साथ ही, अतिवृष्टि के दौरान जिलों की मांग के अनुसार अतिरिक्त आवंटन किए जा रहे हैं।

राज्य में दक्षिण-पश्चिमी मानसून में अब तक वास्तविक वर्षा 608.65 मिमी रही, जो सामान्य से 62.50 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में प्रदेश के 22 जिलों में वर्षा असामान्य श्रेणी में दर्ज की गई, जिनमें अजमेर, बूंदी, कोटा, टोंक, नागौर, सवाई माधोपुर, सीकर, धौलपुर, श्रीगंगानगर, जयपुर, जोधपुर और करौली जैसे जिले प्रमुख रूप से शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे मौसम विभाग और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें, बहते हुए पानी और जलाशयों के निकट न जाएं, अपना आकलन लगाकर पानी से भरे रास्तों को पार करने का प्रयास न करें और किसी भी आपात स्थिति में नियंत्रण कक्ष से तुरंत संपर्क करें। प्रशासन की टीमें सजग और तत्पर हैं।

ईशा सैनी, एपीआरओ,
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग,
राजस्थान

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 8 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र रात्रि 8:03 तक, धृति योग प्रातः 6:30 तक, बालव करण दिन 10:25 तक, चन्द्रमा दिन 2:19 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से रात्रि 8:03 तक है। आज से पितृ पक्ष महालय श्राद्ध आरम्भ होंगे। आज प्रतिपदा का श्राद्ध है। आज क्षमावाणि पर्व-पड़वा ढोक (जैन) है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:46 तक, शुभ 9:14 से 10:52 तक, चर 1:58 से 3:31 तक, लाभ-अमृत 3:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35

मेष

अपने अति आवश्यक आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में अनावश्यक धन खर्च होगा।

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कन्या

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है।

वृश्चिक

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
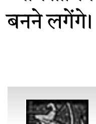
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर
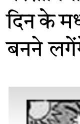
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कुंभ
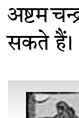
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक परेशानियां बनी रहेगी।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

अधिकारियों को अलर्ट रहने एवं जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश

जालोर, (का.सं.)। जवाई बांध के गेट खुलने के बाद नदी के तेज प्रवाह को देखते हुए रविवार को जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के गावंडे और जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इंदौलिया ने सायला-बागोड़ा क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने उम्मेदाबाद, पोषाणा, खरल, बागोड़ा और सायला में नदी प्रवाह क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाएं देखी।

जिला कलैक्टर और एसपी ने उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार सहित पुलिस प्रशासन को पूरी मुस्तैदी से अलर्ट रहते हुए नदी के प्रवाह के दौरान किसी भी वाहन या व्यक्ति को नदी में प्रवेश न करने दिया जाए। साथ ही आमजन से सतर्कता बरतने की अपील की गई।

इस दौरान तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी, विकास अधिकारी गौरव विश्नो और थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संभावित आपदा से निपटने के लिए किए जा रहे प्रबंधों की जानकारी दी।

जालोर जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के गावंडे, पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इंदौलिया सहित अधिकारियों ने सायला-बागोड़ा क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

बागोड़ा में जवाई नदी का करवाया एरियल सर्वे

जिला कलेक्टर डॉ प्रदीप के गावड़े के निर्देश पर बागोड़ा उपखण्ड प्रशासन द्वारा जवाई नदी के कैचमेंट क्षेत्र का एरियल सर्वे किया गया। उपखण्ड अधिकारी भीनमाल मोहित कासनिया ने बताया कि नदी प्रवाह से प्रभावित होने की संभावना को लेकर क्षेत्र में कुछ घरों को समझाईश कर खाली करवाया गया है तथा तिलोड़ा से दामन एवं दादाल, धुम्बडिया एवं आस पास के गांवों के लिए वैकल्पिक मार्गों की मरम्मत कर यातायात सुचारू किया गया है।

इसके अतिरिक्त उपखण्ड प्रशासन द्वारा नदी प्रवाह को पाल बनाकर सुरक्षित किया गया है। जिससे आमजन के जान-माल की सुरक्षा की जा सके।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील कि है कि वे केवल जल प्रवाह देखने के उद्देश्य से नदी प्रवाह अथवा नदी तल के समीप न जाएं। सेल्फी एवं फोटो-विडियों के चक्कर में लापरवाही नहीं बरतें, यह जानलेवा साबित हो सकती है। सुरक्षित रहे।

बाढ़ नियंत्रण कक्ष को दे सूचना

आपात स्थिति में फंसे होने पर जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष/कन्ट्रोम रूम नम्बर 02973-222216 एवं 02973-222525 पर सूचित किया जा सकता है।

प्रशासन मुस्तैदी से राहत एवं बचाव कार्यो में जुटा

जालोर जिले में अतिवृष्टि एवं जवाई नदी में तेज प्रवाह से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ डटा हुआ है तथा उपखण्ड अधिकारियों के नेतृत्व में विभिन्न विभागीय अधिकारियों एवं नागरिक सुरक्षा की टीमों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य सहित निचली बस्तियों एवं भराव क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई है।

शनिवार देर रात शारदा मोटर, आहोर रोड़ पर एक परिवार के बंद कार में फंसे होने की सूचना पर नागरिक सुरक्षा टीम द्वारा पंहुच कर उन्हें सकुशल शेल्टर होम पहुंचाया गया।

परिवार में छोटे बच्चों सहित कुल 9 लोग थे। इसी प्रकार स्थानीय प्रशासन द्वारा रविवार को चितलवाना के लालपुरा में लूणी नदी प्रवाह में बसे हुए परिवार को उपखण्ड अधिकारी द्वारा समझाईश कर शेल्टर होम में शिफ्ट किया गया।

शनिवार को देर रात लेटा जीएसएस के पास 10-12 कारों में तकरीबन 40 लोगों के फसे होने की सूचना पर नागरिक सुरक्षा टीम द्वारा भोजन पैकेट पहुंचाया गया तथा सभी कारों को पानी से निकालवा कर सकुशल घर पहुंचाया गया।

इसी प्रकार आहोर उपखण्ड में पावटा के समीप जवाई नदी प्रवाह क्षेत्र में रह रहे प्रवासी मजदूर परिवारों को समझाईश कर रसियावास राजकीय विद्यालय में शिफ्ट कर उनके भोजन, पानी एवं रहने की व्यवस्था की गई।

नदी रपट पर टहल रहे दो युवक हिरासत में

जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक रविवार को सायला उपखण्ड क्षेत्र के दौरे के दौरान सायला-खरल रपट पर पुलिस प्रशासन द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाकर जान जोखिम में डाल कर नदी रपट पर टहल रहे दो युवकों को जिला कलक्टर के निर्देश पर मौके पर ही हिरासत में लिया गया।

विद्यालयों में सोमवार का अवकाश

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार जिले में अत्यधिक वर्षा की संभावना और विद्यार्थी सुरक्षा की दृष्टि से जालोर जिले में संचालित समस्त आंगनवाडी केंद्रों एवं कक्षा 01 से 12 तक के समस्त राजकीय/गैर राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए सोमवार को अवकाश घोषित किया गया है।

जिला कलैक्टर द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों और कक्षा 1 से कक्षा 12 वीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए सोमवार 08.09.2025 का अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश केवल विद्यार्थियों हेतु लागू होगा एवं समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों व आंगनवाडी में कार्यरत समस्त स्टाफ यथावत कार्य करेंगे।

हमने सिद्धांत के साथ कभी समझौता नहीं किया : जाखड़ी

तेजावास में क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्राथमिक शिविर संपन्न हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा तेजावास में आयोजित चार दिवसीय प्राथमिक शिविर रविवार को पूर्ण हुआ। अनेक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को न सिर्फ शारीरिक मजबूती बल्कि मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक दृढ़ता का अभ्यास कराया गया। शिविर संचालक नाहरसिंह जाखड़ी ने विदाई समारोह में कहा किहमने सिद्धांतों के साथ कभी समझौता नहीं किया और न ही करना चाहिए। संघर्ष जीवन का अनिवार्य हिस्सा है, उससे कभी पलायन नहीं करना चाहिए।

नाहरसिंह जाखड़ी ने बताया कि इस शिविर में खेल-कूद और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से शिविरार्थियों में संघर्षशीलता और मिल-जुलकर काम करने की भावना का विकास किया गया। चारों दिनों के कार्यक्रम पूर्ण रूप से सामूहिक थे, जिससे हर प्रतिभागी ने एक-दूसरे से सीखने का अवसर पाया।

शिविर में विशेषयज्ञका आयोजन भी किया गया, जिसमें शिविरार्थियों के साथ ठाामीणों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। यज्ञ में सभी ने आहुति देकरसतोगुणी प्रवृत्तिऔर आत्मिक शुद्धि की ओर बढ़ने की प्रार्थना की। जाखड़ी ने कहा कि यह आहुति केवल अग्नि में नहीं अपितु हमारे दिल और दिमाग में भी होनी चाहिए, ताकि हमारे विचार और कर्म हमेशा सकारात्मक बने रहें। नाहरसिंह जाखड़ी ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि हमेशा अपना कर्तव्य याद रखो, कभी भूलना मत। जिस बीज को संघ ने इन दिनों आपके अंदर बोया है, उसको शाखाओं के माध्यम से सींचते रहो। बाहर की दुनिया दूषित और कठिनाइयों से भरी होगी, लेकिन आपका आचरण और आपकी नीयत साफ होनी चाहिए। यही असली तपस्या है। उन्होंने युवाओं को यह संदेश भी दिया कि जीवन में आगे चाहे कितनी भी मुश्किलें आए, सिद्धांत और हिम्मत का रास्ता ही अपनाना चाहिए। कभी हार मानना, कभी अपने मूल्यों से समझौता करना क्षत्रिय युवक संघ की परंपरा नहीं है। शिविर का समापन विदाई कार्यक्रम के साथ हुआ। मंडल प्रमुख रेवन्तसिंह जाखड़ी ने संघ की कार्यप्रणाली और युवाओं की सक्रियता की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर युवाओं को न केवल एक नया दृष्टिकोण देते हैं बल्कि उनमें समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी करवाते हैं।

कार्यक्रम में भगवानसिंह सांगड़वा, ईश्वरसिंह करड़ा, नारायणसिंह डूंगरी, मोतीसिंह सेवाड़ा, देरावरसिंह उचमत, गणपतसिंह पुर, पृथ्वीसिंह वडवज, झब्बर सिंह लूणाखुर्द, युवराजसिंह करड़ा, हर्षवर्धन सिंह टुआ सहित समस्त ठाामीण तेजावास मौजूद रहे।

ग्रामीणों और प्रतिभागियों ने माना कि चार दिनों के इस शिविर ने जहां शारीरिक परिश्रम कराया, वहीं मानसिक, आध्यात्मिक और सामाजिक रूप से भी सबको समृद्ध किया।

सचिन पायलट के जन्मदिन पर बांटे 101 हेलमेट

जालोर में पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन पर भीनमाल रोड स्थित गरीब नवाज कॉम्प्लेक्स पर पी.सी.सी. के पूर्व सहवृत सदस्य फ़िरोज़ खान मेहर के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (नि.सं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव व राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के 48वें जन्मदिन पर रविवार को जालोर शहर में विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। भीनमाल रोड स्थित ग़रीब नवाज़ कॉम्प्लेक्स पर पीसीसी के पूर्व सहवृत सदस्य फ़िरोज़ ख़ान मेहर के नेतृत्व में यह आयोजन हुआ।

इस मौके पर उन्होंने 101 हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों को वितरित किए। फ़िरोज़ ख़ान ने कहा कि सचिन पायलट युवाओं के प्रिय नेता हैं, उनकी सोच हमेशा समाज की बेहतरी और सुरक्षित भविष्य को लेकर रही है। इसी कड़ी में जन्मदिन को समाजोपयोगी कार्य के साथ मनाते हुए सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में हेलमेट पहनना न सिर्फ कानून की मजबूरी है बल्कि परिवार की सुरक्षा और जीवन बचाने का सबसे बड़ा साधन भी है। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने पायलट के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

इस मौके कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

17 सीमा चौकियों को शुद्ध पेयजल की सौगात

जैसलमेर, (नि.सं.)। सीमा सुरक्षा बल के द्वारा जैसलमेर के भारेवाला गाँव के पास जीरो पर एक महत्वपूर्ण कदम के तहत जलापूर्ति परियोजना का लोकार्पण किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में एम. एल. गर्ग, महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय, जोधपुर के द्वारा इस परियोजना का विधिवत उद्धघाटन किया गया। इस अवसर पर योगेन्दर सिंह राठौड़, उपमहानिरीक्षक, नरेंद्र पाल नेगी (समादेष्टा) और के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

यह परियोजना की अभियांत्रिकी विभाग और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित की गई थी, जिसका शिलान्यास 14 नवंबर 2024 को किया गया था। लगभग 22.05 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हुई। यह योजना बीएसएफ के सेक्टर जैसलमेर नार्थ की 17 सीमा चौकियों को लाभान्वित करेगी। रेगिस्तानी और अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में तैनात सेक्टर जैसलमेर नार्थ के बीएसएफ जवानों को अब इस परियोजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। ये चौकियाँ अब तक जल की कमी से जूझती रही हैं, जिससे न केवल जवानों को दैनिक जरूरतों में कठिनाई होती थी, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती थी।

दरगाह पर चादर पेश कर धवा कार्यकर्ताओं से मिले

जालोर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त सह प्रभारी अमीन खान धवा ने गोड़ीजी स्थित मख़दूम मियां मोटन शाह दरगाह पर हाजिरी दी। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर,(का.सं.)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जालोर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के नवनियुक्त सह प्रभारी अमीन खान धवा रविवार को निजी संक्षिप्त दौरे पर जालोर पहुंचे। उनके इस दौरे ने न केवल कार्यकर्ताओं में उत्साह जगाया बल्कि संगठन की मजबूती को लेकर भी नई ऊर्जा दी।

जालोर आगमन पर अमीन खान ने सबसे पहले गोड़ीजी स्थित मशहूर मख़दूम मियां मोटन शाह दरगाह पर हाजिरी दी। उन्होंने यहां चादरपोशी कर जिले में अमन, चैन और तरक्की की दुआ मांगी। दरगाह पर उनकी मौजूदगी से कार्यकर्ता और स्थानीय समाजजन काफी उत्साहित दिखे। दरगाह पर श्रद्धांजलि देने के बाद अमीन खान ने कांग्रेस पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। जालोर मोयला समाज के युवा जिलाध्यक्ष अमीन मोयला ने बताया कि सह प्रभारी ने युवाओं से कांग्रेस पार्टी को मज़बूत बनाने का आहवान किया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस का असली आधार उसकी विचारधारा और उसमें विश्वास रखने वाले कार्यकर्ता हैं, जिन्हें एकजुट रहकर पार्टी को मजबूती देनी होगी।

मौके पर मौजूद कसगर समाज जिलाध्यक्ष रज्जाक खान मो, सत्तार नूरी फिरोज खान सलीम खान जावेद खान अकरम सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

बारिश के बाद प्रशासन सतर्क

रेवदर, (नि.सं.)। सेलवाड़ा बांध पर नायब तहसीलदार पुखराज रावल व पटवारी अजय जोशी ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

अधिकारियों ने बांध पर मौजूद लोगों को समझाइश कर बांध मार्ग से भारी वाहन एवं ओवरलोड वाहनों को गुजरने से रोकने के निर्देश दिए। साथ ही सेलवाड़ा व हाथल गांव में जाकर ग्रामीणों को अलर्ट किया। प्रशासन ने बांधों के ओवरफ्लो और बारिश के दौरान, जोखिम लेकर घरों में न रहने व नजदीकी सरकारी स्कूल भवनों में शरण लेने को लेकर अपील की। लगातार बारिश के चलते हालात पर प्रशासन पैनी नजर बनाए हुए हैं।

काम अधूरा, लोग परेशान

पोकरण,(नि.सं.)। शहर से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य लंबे समय से रुका पड़ा है।

सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा कार्यकारिणी एजेंसी को आदेश जारी करने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया है।

यह मार्ग गुरुद्वारा, रेलवे स्टेशन, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा आर्मी के जवानों के आवागमन का मुख्य मार्ग होने से लोगों को भारी असुविधा झेलनी पड़ रही है।

पाली जिला प्रभारी सचिव ाशिवनी भगत ने हालातों का जायजा लिया

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रभारी सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव अल्पसंख्यक मामलात विभाग अश्विनी भगत ने रविवार को जिला कलैक्टर कार्यालय में जिला परिषद में जिले में अतिवृष्टि से हुयी हानि आपदा राहत कामों व मानसून के बाद की स्थिति को लेकर जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली और वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

इस अवसर पर उन्होंने जिले में अधिक बरसात के कारण हुये नुकसान के बारे में सभी क्षेत्रों उपंखड व तहसील वार जानकारी ली साथ ही इसमें गिरदावरी की स्थिति ,सडकों की मरम्मत , सहायता के प्रस्ताव , फसल खराबा , जन धन व पशु हानि जिले में अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र जिनमें शहरी व ठाामीण क्षेत्रों की , जल भराव क्षेत्र व जल निकासी के प्रबंध ,रेस्क्यू टीमों की , अतिवृष्टि से सार्वजनिक परिसम्पत्त्यिं की मरम्मत व अधिक जर्जर राजकीय भवनों को स्थानान्तिरत या परिवर्तन करने व एक बार पुनः सर्वे कराने के लिये ,इस दौरान आमजन को सहायता के लिये भोजन , पानी ठहराव के लिये किये गये इंतजामों के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये।

इसके साथ ही प्रभारी सचिव ने पानी पीएचईडी में टंकियो की सफाई व दवाई के लिये ,बिजली पोल्स ट्ारसफार्मर व ,सडकों की मरम्मत व चिकित्सा विभाग को मानसून के बाद मौसमी बिमारियों में सर्तकता बरतने , आयल बाल्स डालने के लिये , गिरदावरी प्रगति रिपोर्ट ,खरीफ व रबी फसलवार ब्यौरा , कृषि विभाग में खाद, फसल कटाई ,मानसून के दौरान क्षितठास्त हुये भवनों की जानकारी व प्रस्ताव के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये ताकि इन्हें राज्य सरकार के समक्ष रखा जा सके व आमजन को राहत दी जा सके।

बैठक में यूआईटी व नगर निगम के कामों व जिले में पंच गौरव योजना की स्थिति प्रगति के बारे में ,गांव चलो शहर चलो अभियान जो आगामी दिनों में शुरू होने वाले है उनकी तैयारी के बारे में आवश्यक निर्देश दिये और कहा कि इन अभियानों में आमजन को अधिक से अधिक विभिन्न विभागों के माध्यम से लाभान्वित किया जाये। इसी प्रकार उन्होंने पशुपालन विभाग में लंपी रोग व पशु हानि की जानकारी ली व राईजिंग राजस्थान , सार्वजनिक निर्माण विभाग , व अन्य सभी संबधित विभागों के कामो योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिये।

इस अवसर पर बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह ने जिले में जिला प्रशासन द्वारा जल भराव आपदा राहत व जल निकासी के बारे में किये गये कार्या के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर बैठक में प्रशिक्ष आईएएस बिरजू गोपाल , जिला पुलिस अधिक्षक आदर्श सिदधू , यूआईटी सचिव डॉ पूजा सक्सेना , नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज , , अतिरिक्त मुख्यकार्यकारी अधिकारी जिला परिषद महेन्द्र मेहता , विशाल सीपा , सीएमएचओं डा ॅविकास मारवाल व अन्य सभी संबधित विभागों के अधिकारी व समस्त उपखंड अधिकारी मौजूद रहे।

जल भराव, जवाई बांध व सोजत के हालात जाने

जिला प्रभारी सचिव अश्विनी भगत ने इससे पहले आज रविवार को सर्किट हाउस में प्रमुख विभागों जिनमें यूआईटी , नगर निगम के साथ बैठक की और कहा कि पाली में समस्या निस्तारण के लिये जो छोटे काम है उनके लिये शार्ट टर्म प्लान व बडे कामों के लिये लांग टर्म प्लान बना कर प्रस्तुत करे। उन्होंने इसके लिये सभी संबध विभागों यूआईटी ,नगर निगम , पीएचईडी , जल संसाधन व वाटरशेड विभाग , सार्वजनिक निर्माण विभाग के साथ संयुक्त रूप से इसके बारे में रिपोर्ट के लिये निर्देश दिये। उन्होंने इसके लिये जिला कलक्टर के माध्यम से रिपोर्ट के लिये निर्देश दिये । उन्होंने शहर में जल भराव प्रमुख समस्या वाले क्षेत्रों जिनमे नया गांव पुलिया के समीप बहत्तर फुट बालाजी क्षेत्र में निरीक्षण कर जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिये।

नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज , यूआईटी के एक्सइ्रन विकास लेघा , उधोग केन्द्र के महाप्रबन्धक रज्जाक अली , सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक जेपी अरोडा सहित कई जने मौजूद रहे। उन्होंने जिले के जवाई बांध का निरीक्षण का निरीक्षण किया व आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर पुलिस प्रशासन के व जल संसाधन विभाग के एसई रामनारायण चौधरी व संबधित अधिकारी मौजूद रहे।

इससे पहले शनिवार को उन्होंने प्रभारी सचिव अश्विनी भगत ने शनिवार को सोजत उपखण्ड क्षेत्र में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया ।उन्होंने अरबड़ा, रुन्दिया, ब बासना में अतिवृष्टि और जलभराव से फसलों के खराब का जायजा लिया और गिरदावरी का कार्य शीघ्र पूर्ण कर अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का आकलन करने के क सम्बन्ध में उपखण्ड अधिकारी मांसिगाराम सोजत व तहसीलदार सोजत को आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पानी के तेज बहाव वाली रपटों, पुलियों पर आवश्यक सुरक्षा बंदोबस्त किए जाने के निर्देश दिए ।

उन्होंने अतिवृष्टि के कारण क्षेत्र में हुए जनहानि व पशुहानि के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की और राहत कार्यों के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। प्रभावित क्षेत्रों में सम्पर्क मार्गों की स्थिति, आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता, मौसमी बीमारियों से निपटने के लिये दवाइयों की उपलब्धता तथा बाढ़ की स्थिति में बचाव व राहत के अपात्र लिए संसाधनों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त का खित विषयों पर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये।

पुरस्कार दिए

रेवदर, (नि.सं.)। वरमाण के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खाण में वर्ष 2025-26 की जिला स्तरीय कबड्डी बालिका खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह रविवार को हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष हिमपाल सिंह देवल ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। समारोह में राज्यसभा सांसद नीरज डांगी द्वारा विद्यालय के लिए एक कक्षा-कक्ष की स्वीकृति दी गई।

कार्यक्रम में जीवाराम देवासी, भंवर दान चारण, भाणाराम चौधरी, महादेव भारतीय, पोपट मेघवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे। लोगों में काफी खुशी देखी गई।

किसी के भी प्रति बुरा भाव नहीं रखना चाहिए : सुमित मुनि

जोधपुर, (कासं)। चौरड़िया भवन में आयोजित तीन दिवसीय जयमल जयंती समारोह सुमति मुनि के सानिध्य में त्याग-तपस्या के साथ भक्तिभाव से मनाया गया। आज तीसरे दिन अनेक नगरों के आए श्रावक-श्राविकाओं सहित स्थानीय निवासियों की भीड़ उमड़ पड़ी। रविवारीय संस्कार शिविर में बालक बालिकाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

साध्वीश्री ने कहा कि पूज्य जयमल म.सा. से जीवन से जुड़े प्रसंगों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जयमल म.सा.का उपकार मानते हुए दिल्ली के बादशाह ने जोधपुर नरेश को विशेष सम्मान व स्थान दिया।

जयमल म.सा. ने जोधपुर में दस चार्तुमास किये। उनका जब जालोर चार्तुमास था, तब लांछा देवी महासती का चार्तुमास सोजत सिटी में था। लांछा महासती ने उग्र तपस्या शुरु की एवं 6 मास की संयम पयार्य में सोजत सिटी में देवलोक को गमन किया।

श्री जयमल जैन श्रावक संघ, जोधपुर के अध्यक्ष देवराज बोहरा ने बताया कि श्रीसंघ द्वारा तीन दिवसीय जयमल जयंती समारोह सुमति मुनि के सानिध्य में त्याग-तपस्या पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर अनेक नगरों के श्रावक-श्राविकाओं ने इसमें भाग लिया। आज जयमल पाठ्याला के विभिन्न केन्द्रो के अनेक बच्चों ने शिविर में उत्साह पूर्वक भाग लिया।

लेखक मिलन शिविर में जोधपुर के सात रचनाकार सम्मानित

जोधपुर,(कासं)। पूर्वोत्तर हिन्दी अकादमी शिलांग द्वारा आयोजित 19 वें लेखक मिलन का तीन दिवसीय शिविर शिलांग, मेघालय में आयोजित हुआ। जिसमें देश के विभिन्न प्रांतों से कुल 111 साहित्यकारों ने भाग लिया। शिविर में हिन्दी साहित्य सहित विभिन्न लेखन कार्य एवं अध्ययन पर अनेक सत्र आयोजित हुए। इनके अलावा शिविर में शिरकत करने आए लेखकों, कवियों तथा हिन्दी प्रेमियों को अलग अलग सम्मानों से सम्मानित किया। जिसमें शिखर सम्मान, डॉ. महाराज कृष्ण जैन स्मृति सम्मान, जीवनराम मूंगी देवी गोयनका सम्मान, केशरदेव गिनिया देवी बजाज स्मृति सम्मान, महावीर प्रसाद टिबड़ेवाला स्मृति सम्मान, हिन्दी साहित्य शिरोमणि सम्मान के साथ प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी के अध्यक्ष विमल बजाज तथा अकादमी के सचिव एवं संयोजक डॉ अकेला भाई की उपस्थिति में मुख्य अतिथि प्रो. स्ट्रीमलेट डखार, खासी विभाग, पूर्वोत्तर विश्वविद्यालय शिलांग, विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी शंकरलाल गोयनका, रामावतार बजाज, अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष शांति कुमार स्याल, सलाहकार डॉ मदन मोहन शंखधर, मेघालय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो सुशील कुमार शर्मा के हाथों सबको सम्मानित किया।

इसमें जोधपुर से डॉ.छगनराज राव तथा डॉ. नीतू परिहार, को "डॉ. महाराज कृष्ण जैन स्मृति सम्मान", डॉ. दीपा परिहार को "केशरदेव गिनिया देवी बजाज स्मृति सम्मान" तथा मोहित परिहार, धर्मिष्ठा राव, सुरभि परिहार एवं आराध्या को "शिविर सहभागिता प्रशस्ति प्रमाण पत्र" के साथ शॉल, स्मृति चिन्ह तथा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। साथ ही इस मौके पर सभी ने अपनी अपनी रचनाएं प्रस्तुत की जिसमें डॉ. छगनराज राव, डॉ. दीपा परिहार तथा डॉ. नीतू परिहार ने भी अपनी अपनी रचनाएं सुनाकर वाह वाही लूटी। रात को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें हर प्रांत का लोक नृत्य देखने को मिला। जोधपुर से कुमारी आराध्या ने भी एक राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत कर अपनी छाप छोड़ी।

गीतों तथा भजनों ने भी अपना रंग जमाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वालों को अकादमी द्वारा एक एक मेडल दिया गया।

कोटड़ा में सवा इंच बारिश, उदयपुर शहर का बड़ी तालाब छलका

आयड़ नदी का बहाव कम हुआ, बस्तियों के लोगों को राहत मिली

उदयपुर में सेवाश्रम की कनेक्टिंग पुलिया पर सड़क पर पानी बह रहा है।

- उदयपुर में रविवार को भी रिमझिम बारिश हुई, उदयसागर के गेट 8-8 फीट खुले

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर में झीलों के लबालब होने में रविवार को बड़ी तालाब का नाम भी जुड़ गया। शहर के बीच स्थित सबसे बड़ी क्षमता वाली इस झील पर रविवार को चादर चल गई। वहीं फतहसागर, पीछोला, स्वरूपसागर पहले ही ओवरफ्लो चल रहे हैं।

इधर, शहर में रविवार को आयड़ नदी का बहाव कम पड़ने से निचली बस्तियों में रह रहे लोगों ने राहत की सांस ली है। शहर की जिन कॉलोनियों में शनिवार को पानी घुस गया वहां लोगों ने दिनभर घरों की सफाई की और बेसमेंट में भरे पानी को मोटरों द्वारा बाहर निकाला। बीते 12 घंटों में उदयपुर जिले में रिमझिम बारिश का दौर चला जिले में सर्वाधिक बारिश कोटड़ा में 35 मिमी होने के समाचार मिले हैं।

उदयपुर शहर में शनिवार को आयड़ नदी के उफान पर आने के बाद बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई थी, लेकिन बारिश का थोड़ा कम पड़ने से रविवार रात से ही आयड़ नदी का प्रवाह कम होने लगा ,जहां कल आयड़ नदी पूरे उफान के साथ उसके नौ कोठे का टच करते हुए बह रही थी। वहीं इसका वेग कम हो गया। शहर के करजाली हाउस, साइफन कॉलोनी, आयड़, अलीपुरा, कृष्णपुरा, पुलां, ठोकर, अहिंसापुरी कॉलोनियों में जहां घरों में पानी भर गया, वहां दिनभर लोगों ने घरों से पानी निकाल सफाई की।

इधर, फतहसागर झील के गेट एक इंच कम कर अब चारों गेट तीन-तीन इंच खुले हुए हैं वहीं स्वरूपसागर के दो गेट 1 फीट 6 इंच व दो गेट दो-दो फीट खुले हुए हैं। सीसारमा नदी अब भी छह फीट के वेग से बह रही है। देवास प्रथम के गेट भी 6 इंच खुले हुए हैं। वहीं उदयसागर के गेट 8-8 फीट खुले हुए हैं।

महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा गिरा, रात होने से हादसा टला

डूंगरपुर शहर के लोहारवाड़ा महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा शनिवार रात को भरभराकर ढह गया।

- बरामदा गिरने से आसपास के तीन कमरे भी क्षतिग्रस्त
- स्कूल के 8 कमरे जर्जर हालत में हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का डर है

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के लोहारवाड़ा महात्मा गांधी सरकारी स्कूल का बरामदा शनिवार रात को भरभराकर ढह गया। बरामदे के आसपास के तीन कमरे भी क्षतिग्रस्त हो गए। रात का समय होने से स्कूल में कोई बच्चे और टीचर्स नहीं होने से बड़ा हादसा होने से टल गया। स्कूल के 8 कमरे जर्जरहाल हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने का डर है। स्कूल प्रशासन की ओर से इन कमरों में बच्चों को बैठाने से साफ इनकार किया गया है।

डूंगरपुर में बरसात का दौर चल रहा है। बारिश की वजह से कई भवनों को नुकसान पहुंचा है। वहीं झालावाड़ में स्कूल हादसे के बाद से ही सरकारी स्कूलों में जर्जर हाल कमरों में बच्चों को बैठाना बंद कर दिया है। शहर के लोहारवाड़ा स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि आज सुबह स्कूल का जर्जर हाल बरामदा गिरने की सूचना मिली थी। स्कूल जाकर देखा तो बरामदे की छत ढह गई थी। दीवारें भी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं बरामदे के आसपास के तीन कमरों को भी नुकसान हुआ है। बरामदा गिरने की घटना रात के समय होने से बड़ा हादसा टल गया। स्कूल में बच्चे और स्टाफ के होने पर बड़ा हादसा हो सकता था।

प्रिंसिपल राजेश चौबीसा ने बताया कि स्कूल के 12 गुना 50 का बरामदा और 8 कमरे पूरी तरह से जर्जर हो चुके हैं। बरामदे के 2 पिलर पहले से क्षतिग्रस्त हो चुके थे। जिससे कभी भी हादसे का डर पहले से था। इस वजह से इन कमरों में बच्चों को नहीं बैठाया जा रहा था। स्कूल में कक्षा पहली से 10वीं तक 180 स्टूडेंट पढ़ते हैं, लेकिन केवल 3 कमरे ही बचे हैं। ऐसे में बच्चों को कमरों में बैठाकर पढ़ाई करवाना मुश्किल हो रहा है। इसे लेकर पहले भी शिक्षा विभाग और प्रशासन को अवगत करवाया गया है। प्रिंसिपल ने स्कूल के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग रखी है।

डूंगरपुर जिले में तीन दिन से बारिश जारी

कनबा में सबसे अधिक साढ़े तीन इंच बरसात हुई

- लगातार बारिश की वजह से कई बांध और तालाब लबालब होकर ओवरफ्लो बह रहे हैं

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में तीन दिन से रुक-रुककर बरसात का दौर जारी है। रात के समय बरसात के बाद रविवार सुबह रिमझिम और हल्की बरसात से दिन की शुरुआत हुई। आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। वहीं लगातार बारिश की वजह से कई बांध और तालाब लबालब होकर ओवरफ्लो बह रहे हैं। खेत भी तालाब में तब्दील हो गए हैं। कनबा में सबसे ज्यादा साढ़े तीन इंच बरसात हुई है।

मौसम विभाग की ओर से डूंगरपुर जिले में दो दिन तक बारिश के रेड अलर्ट के बाद रविवार को येलो अलर्ट है। सुबह के समय आसमान में घनघोर काले बादल छाए रहे। वहीं रिमझिम और हल्की बरसात से शुरुआत हुई। रुक-रुककर बरसात का दौर चल रहा है। तीन दिन से डूंगरपुर में रुक-रुककर तेज और हल्की बरसात हो रही है। बारिश की वजह से कई बांध, तालाब पर 2 से 3 फीट या इससे भी ज्यादा की चादर चल रही है।

जिले के सबसे बड़े सोम कमला आंबा बांध के तीन गेट से पानी की निकासी हो रही है। वहीं दूसरी ओर बांसवाड़ा के माही डेम के गेट खुले होने से बेणेश्वर धाम टापू बना हुआ है। बेणेश्वर धाम के तीनों पुलिया पर पानी बह रहा है। जिससे आवाजाही पिछले 15 दिन से बंद है। डूंगरपुर में रविवार सुबह 8 बजे तक औसत डेढ़ इंच बरसात हुई। सबसे ज्यादा साढ़े 3 इंच (91 एमएम) बरसात कनबा में रिकॉर्ड हुई है। इसके अलावा डूंगरपुर शहर में ढाई इंच (68 एमएम), देवल में 65 एमएम, वेंजा में 60 एमएम, गलियाकोट में 52 एमएम, चिखली में 41 एमएम, आसपुर में 33 एमएम, सोम कमला आंबा बांध क्षेत्र में 23 एमएम, धंबोला में 23 एमएम, सागवाड़ा में 26 एमएम, निठाउवा में 25 एमएम, गणेशपुर में 19 एमएम, साबला में 19 एमएम बारिश हुई है।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, चोरी की 11 बाइक जब्त

पुलिस ने बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश कर तीन जनों को गिरफ्तार किया।

- झुंझुनूं, सीकर और जयपुर ग्रामीण जिलों में भी लगातार चोरी की वारदातें कर रहे थे आरोपी
- आरोपियों से पूछताछ करने पर करीब दो दर्जन चोरी की वारदातें कबूल की

झुंझुनूं, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने बाइक चोरों की एक गैंग को दबोचते हुए बाइक चोरियों की कई वारदातों का खुलासा किया है। आरोपियों से 11 चोरी की बाइक बरामद कर ली गई है। वहीं अन्य के लिए पूछताछ जारी है। आरोपी ना केवल झुंझुनूं, बल्कि सीकर और जयपुर ग्रामीण जिलों में भी लगातार चोरी की वारदातें कर रहे थे।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पिछले माह ही 24 अगस्त को झुंझुनूं शहर के एक निजी अस्पताल के बाहर से बाइक चोरी हुई थी, जिसके बाद से कोतवाली पुलिस लगातार चोरों का पीछा कर रही थी। करीब 300 सीसीटीवी फुटेज देखकर चोरों तक पुलिस पहुंचने वाली थी कि मुखबिर के जरिए इत्तला मिली कि गुढ़ा रोड पर एक बाइक पर तीन युवक आ रहे हैं, जिनके पास चोरी की बाइक है। जिस पर पुलिस ने तीनों युवकों को बाइक के साथ दबोचा। यह बाइक चोरी की थी। आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने सीकर और जयपुर ग्रामीण समेत झुंझुनूं जिले में करीब दो दर्जन चोरी की वारदातें कबूली है। आरोपियों की निशानदेही पर नेशनल हाइवे के निर्माणाधीन पुल के पास मलसीसर रोड की पहाड़ी की तलहटी से 10 और चोरी की बाइक बरामद की गई है। इसी तलहटी में आरोपियों ने चोरी की बाइक का गोदाम बना रखा था। आरोपी जल्द ही सभी बाइकों को ठिकाने लगाने वाले थे कि उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। गिरफ्तारी तीनों आरोपी सीकर के खंडेला थाना इलाके के कोटड़ी निवासी दीपक पुत्र रिछपाल सिंह जाट, वार्ड नंबर सात खंडेला निवासी सचिन पुत्र मनोहरलाल गुर्जर तथा लुहारवास निवासी विकास कुमार पुत्र सुरेंद्र कुमार मेघवाल है, जिनके आपराधिक रिकॉर्ड को भी खंगाला जा रहा है। साथ ही अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि सभी बाइकों के चैसिस नंबर लेकर इनके मालिकों को सूचित किया जा रहा है। इसके अलावा आरोपी एक ही मॉडल की बाइकों को चुराते थे। आरोपी हीरो होंडा की स्पलेंडर बाइक का लॉक तोड़ने में माहिर है।

युवक ने आत्महत्या की

अलवर, (निसं)। बहरोड़ के सदर थाना क्षेत्र के कारोड़ा गांव में शनिवार रात को 35 वर्षीय व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या कर ली। उसका शव घर के बाहर एक पेड़ पर लटका मिला। रविवार सुबह शव को परिजनों ने ग्रामीणों की सहायता से पेड़ से उतारा और अंतिम संस्कार करने के लिए गांव के श्मशान घाट लेकर चले गए। अंतिम संस्कार करने की तैयारी चल रही थी, तभी मृतक के रिश्तेदारों की सूचना पर सदर थाना पुलिस श्मशान घाट पहुंची और अंतिम संस्कार रुकवाकर शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में ले गई। बाद में जिला अस्पताल के चिकित्सकों के बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। बहरोड़ के सदर थाना के एएआई ने बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि कारोड़ा गांव में राकेश की किसी ने हत्या कर दी है और शव का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के एक युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप युवती ने लगाया है। युवती के आरोपों के आधार पर आरोपी युवक रविन्द्र को भाबरू थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया ने बताया कि एक युवती ने पुलिस थाना भाबरु में एक युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। युवती ने अपनी शिकायत में कहा कि युवक उससे पिछले चार साल से शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए व रुपए भी उधार लिए एवं ब्लैकमेल करने की नियत से अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए।

युवती ने बताया कि युवक पहले से ही शादीशुदा है। वह मेरे घरवालों द्वारा कहीं भी मेरा रिश्ता करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी देता है। जिस पर युवती ने पुलिस थाना भाबरू में युवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरु की।

जानकारी के अनुसार जिला कोटपुतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई द्वारा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे अभियान की पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के सुपरविजन एवं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं भाबरू थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी सहयोग और आसूचना के आधार पर आरोपी रविन्द्र पुत्र जंगाराम को गिरफ्तार किया गया।

लव जिहाद और धर्मांतरण के बढ़ते मामले एक गंभीर खतरा : सुनील आंबेकर

- जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखे से किया गया धर्मांतरण अनुचित है, इससे समाज में अशांति फैल सकती है'
- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण को सामाजिक उपद्रव बताया

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने लव जिहाद और धर्मांतरण के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई। आंबेकर ने कहा कि जबरदस्ती, प्रलोभन या धोखे से किया गया धर्मांतरण अनुचित है। इससे समाज में अशांति फैल सकती है। यह समस्या केवल धार्मिक ही नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव के लिए भी एक गंभीर खतरा है। आंबेकर ने रविवार को यहां पत्रकार वार्ता में लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण को सामाजिक उपद्रव बताया। उन्होंने कहा कि इन्हें हर हाल में रोकना ही हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भावना के लिए एक गंभीर चुनौती है। इस समस्या का समाधान एक लंबी प्रक्रिया है, लेकिन हमें विश्वास है कि जल्द ही अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी।

आंबेकर ने जोधपुर के लालसागर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक के आखिरी दिन मीडिया से बातचीत में कहा कि संघ का मानना है कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर इस समस्या का सामना करना होगा, क्योंकि धर्मांतरण के खिलाफ यह संघर्ष न केवल हिंदू धर्म की रक्षा का मामला है, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को बचाने का भी प्रश्न है।

सुनील आंबेकर ने कहा कि जनजातीय और वनवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण की समस्या अधिक गंभीर रूप धारण कर रही है। वनवासी कल्याण आश्रम जैसे संगठनों द्वारा जनजातीय क्षेत्रों में छात्रावास और अधिकार संबंधी कार्यों के बावजूद भी स्थिति चिंताजनक है। आंबेकर ने कहा कि वनवासी कल्याण आश्रम संगठन ने जनजाति क्षेत्र में छात्रावास विशेषकर वनवासियों के जो जनजाति लोगों के अधिकार हैं, उसके संदर्भ में भी लगातार पहल की है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण की समस्या से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े संगठनों की व्यापक रणनीति तैयार की गई है। संघ के स्वयंसेवक हिंदू समाज के साधु-संत और जागरूक व्यक्तियों के साथ मिलकर इस समस्या पर काम कर रहे हैं। आंबेकर ने बताया कि जो धर्म परिवर्तन जबरदस्ती से लालच से या भ्रमित करते हुए किया जाता है, वह सदा ही अनुचित है। इसको उजागर करने के लिए जगह-जगह साधु, संत और हिंदू समाज के बहुत सारे जागरूक लोग लगे हुए हैं। विश्व हिंदू परिषद और अन्य संगठनों द्वारा व्यापक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समाज के उन लोगों तक पहुंचने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। आंबेकर ने कहा कि समाज में कोई भी व्यक्ति ऐसा न छूटे। वह चाहे किसी जाति का हो, जनजाति का हो, गरीब हो, कहीं सुदूर रहता हो, वहां तक यह बात पहुंचे। इसके लिए सभी लोग प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विभिन्न संगठनों द्वारा लीगल तरीके से कई सारे मामले दर्ज कराए गए हैं। धर्मांतरण के मामलों को उजागर (एक्सपोज) करने और न्यायालयों में ले जाने का काम निरंतर किया जा रहा है। सेवा भारती और अन्य संगठन सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों की सहायता करके धर्मांतरण रोकने का काम कर रहे हैं। आंबेकर ने बताया कि विजयादशमी के अवसर पर देशभर में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 2 अक्टूबर से विजयादशमी से यह शताब्दी वर्ष आरंभ होगा। सामान्यत: उसके आगे पीछे 7 दिनों तक जगह जगह पर अपनी-अपनी शाखा के स्तर पर, अपने जिला स्तर पर और नगर स्तर पर अपनी-अपनी योजना के अनुसार सभी स्वयंसेवक बड़ी संख्या में गणवेश में विजयादशमी का उत्सव मनाएंगे।

प्रचार प्रमुख ने धर्मांतरण को केवल धार्मिक मुद्दा न मानकर राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भावना के लिए गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि यह एक लंबा रास्ता है, परंतु निश्चित रूप से यह आशा और विश्वास है कि जल्द ही वैसी अनुकूल परिस्थिति बनेंगी। संघ का मानना है कि समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर इस समस्या से निपटना होगा। धर्मांतरण के खिलाफ यह संघर्ष न केवल हिंदू धर्म की रक्षा का मामला है बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को बचाने का प्रश्न है।

पांच लाख की लूट करने वाले दो गिरफ्तार

लूट की नकदी में से दो लाख रूपये तथा वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद

उदयपुर, (कासं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने पीड़ित के साथ मारपीट कर नकदी लूट के मामले में युवती व साथी को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लूट की नकदी में से दो लाख रूपये तथा वारदात में प्रयुक्त बाईक बरामद की है।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित ध्रुव पुत्र जितेन्द्र कुमार ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 28 अगस्त को पैसों की आवश्यकता होने के कारण अपने मित्र कविशसिंह सोलंकी से संपर्क कर बताया तो उसने 5 लाख रूपये उधार दिए, जहां से रूपये लेकर मै व महिला मित्र दोनों कार से फतह स्कूल पहुंचे जहां बाइक पर आए दो व्यक्ति ने कार को रोक मारपीट की तथा नकदी लूट ली। इसी दौरान महिला मित्र कार से उतर कर बदमाशों के साथ फरार हो गई। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपअधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी एएसआई बसंत कुमार मय टीम ने अमीनुद्दीन पुत्र अकीलुद्दीन निवासी खडकजी का चौक सूरजपोल व उसकी महिला मित्र पूजा पुत्री संजय निवासी रावजी का हाटा वारियों की घाटी घंटाघर को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से लूट की नकदी में से दो लाख रूपये तथा वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की।

हादसे में महिला सहित दो की मौत

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा थाना क्षैत्र में हाइवे पर पीकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक व महिला की मौत हो गई।

पुलिस से प्रापत जानकारी के अनुसार रविवार सवेरे गोगुन्दा थाना क्षैत्र गोगुन्दा पिण्डवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग कलाश्रम के समीप पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में कुचले जाने पर बाइक चालक हथिया तलाई डेलावास गोरवल निवासी हेमा गमेती (40) पुत्र कालू गमेती तथा भूरकीबाई (55) पत्नी पेमा गमेती की मौत हो गई। सवेरे हेमा अपनी बाइक लेकर गांव से उदयपुर की तरफ आ रहा था।

इस दौरान मिली भूरकी ने उसे शहर चलने तथा जाने का भाड़ा देने की बात कहते हुए उदयपुर जाने के लिए बाइक पर बैठ गई, जहां बीच रास्ते में पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर घायल हो गए। एएसआई नंदलाल ने मौके पर पहुंच दोनों को उपचार के लिए गोगुन्दा चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

वृद्धा की गला रेतकर हत्या के मामले का खुलासा, आरोपी पति गिरफ्तार

पूछताछ में पता चला कि नशे में आए दिन पत्नी से झगड़ा होता रहता था

- पुलिस को जिसने रिपोर्ट दी थी, वही पत्नी का हत्यारा निकला

उदयपुर, (कासं)। घर में घुस वृद्धा की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या के मामले में का खुलासा करते हुए पुलिस ने अनुसंधान के बाद मृतका के पति को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीड़ित विसाराम निवासी रावछ ने सायरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि गुरूवार रात अज्ञात हमलावरों ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर मेरी पत्नी मैतीबाई (60) की हत्या कर फरार हो गए। हमले में घायल होने पर मैतीबाई को परिजन उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपालस्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में सायरा थानाधिकारी किशोर सिंह शक्तावत के नेतृत्व में गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों एवं पीड़ित से की गई पूछताछ के आधार पर मृतका के पति आरोपी वीसाराम पुत्र कन्नाजी गमती निवासी रावछ सायरा को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि शराब के नशे में आए दिन पत्नी से झगड़ा होता रहता था। घटना वाली रात में बच्चे घर पर नहीं थे पत्नी व मै घर पर अकेले थे। रात के समय में पड़ोसी के यहां करियावार में गया, जहां से घर लौटा तो शराब के नशे में होने से मैती ने खरी खोटी सुनाई और आवेश में आकर पति विसाराम ने दीवार पर लगे कांच पर मुक्का मारा, जिससे टूटे कांच से एक टुकड़ा उठा कर पत्नी मैती के गर्दन में घुसा हत्या कर दी।

तीन मंजिला मकान गिरने से महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के धानमंडी क्षेत्र में स्थित एक तीन मंजिला मकान के गिरने पर महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को धानमण्डी थाना क्षेत्र सुथारवाड़ा निवासी लक्ष्मी बाई साहू (60) पत्नी नारायणलाल की मकान की तीसरी मंजिल से गिरने पर मौत हो गई। लक्ष्मी मकान की तीसरी मंजिल से नीचे उतर रही थी। संतुलन बिगड़ने पर वह नीचे गिर पड़ी। परिजन उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हेडकांस्टेबल भगवानलाल ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

साइबर ठगी का एजेंट गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। गोविंदगढ़ पुलिस ने ऑपरेशन साइबर संग्राम के तहत बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एटीएम से साइबर फ्रॉड की राशि निकालते एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। वह खेड़ली बहादुर थाना गोविंदगढ़ का रहने वाला है। उसके पास से 70 हजार रुपए नकद, तीन फर्जी एटीएम कार्ड, एक बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। थाना अधिकारी बनेसिंह मीणा ने बताया कि आरोपी को सरकारी अस्पताल के पास स्थित एसबीआई एटीएम से पकड़ा गया। पूछताछ में पता चला कि वह साइबर ठगी से जुटाई गई राशि को एटीएम से निकालने का काम करता था। इस काम के लिए उसे निकाली गई राशि का पांच प्रतिशत कमीशन मिलता था।

एसआई भर्ती रद्द करने के विरोध में प्रदर्शन

- धरने में विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की

जोधपुर, (कासं)। एसआई भर्ती-2021 को रद्द करने के विरोध में सर्व समाज ने रविवार को कलेक्ट्रेट के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। धरने में विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शिरकत की। वहीं बड़ी संख्या में महिलाएं भी पहुंची। प्रदर्शनकारियों ने एस आई भर्ती को रद्द नहीं करने की मांग की। धरने में पहुंचे लोगों का कहना है कि एसआई भर्ती 2021 में पास हुए कई अभ्यर्थी ऐसे थे, जिन्होंने कड़ी मेहनत कर परीक्षा को पास किया था। भर्ती रद्द होने से उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। मेहनत कर पास हुए अभ्यर्थियों के साथ भर्ती रद्द होना अन्याय है। ऐसे अभ्यर्थी अब कहां जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार भर्ती रद्द करने के बजाय, जिन्होंने बेइमानी से परीक्षा देकर पास हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिससे मेहनत कर सिलेक्ट हुए अभ्यर्थियों के साथ अन्याय नहीं हो। धरना स्थल पर हनुमान सिंह खांगटा, गोपाल सिंह भलासरिया, शंभू सिंह मेड़तिया सहित विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग और महिलाएं भी शामिल हुए।

सत्ता के लोभ और तुष्टिकरण की राजनीति ने कराया देश का बंटवारा : भजनलाल शर्मा

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर जयपुर में संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर लगाए तीखे आरोप

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत का विभाजन किसी मजबूरी का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सत्ता के लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का दुष्परिणाम था। उन्होंने कहा कि विभाजन मानव इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है, जिसमें 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए और निर्दोष हिंदुओं को अमानवीय पीड़ा झेलनी पड़ी। भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, जिस पार्टी ने सत्ता के लिए देश को बांटा, वह देश को कभी जोड़ नहीं सकती। जो लोग तुष्टिकरण और स्वार्थ की राजनीति करते आए हैं, उनके कारण ही पाकिस्तान से आने वाली ट्रेनें लाशों से भरी आती थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित हिंदुओं को नागरिकता देने की जिम्मेदारी जिन सरकारों पर थी, वे असफल रहीं, यहां तक कि उनकी संपत्ति का मुआवज़ा तक देने से इनकार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने इस ऐतिहासिक गलती को सुधारा है और नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा कर पीड़ितों को न्याय दिलाया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने विभाजन के समय लाखों शरणार्थियों की सेवा की, जबकि तब की सत्ता में बैठे लोग केवल राजनीति करते रहे।

कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने भी कांग्रेस और गांधी परिवार को विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि सत्ता सरदार वल्लभभाई पटेल के हाथों में होती, तो देश का बंटवारा टल सकता था। उन्होंने कहा कि यह दिवस राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई को सामने लाने और उससे सबक लेने के लिए मनाया जा रहा है

। परनामी ने कहा, पाक से आने वाला हर हिन्दू शरणार्थी नहीं, पुरुषार्थी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' घोषित कर पीड़ितों की पीड़ा को इतिहास के अंधेरे पन्नों से निकालकर देश के सामने रखने का काम किया है।

जयपुर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने स्वागत भाषण में बताया कि विभाजन के दौरान 1.5 करोड़ लोग बेघर हुए, 55 हजार महिलाओं की अस्मिता से खिलवाड़ हुआ और 10 लाख लोग मारे गए। उन्होंने कहा कि यह दिन हमें इतिहास से सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में भारी भीड़ उमड़ी और जगह कम पड़ने के कारण सैकड़ों लोग मुख्यमंत्री को सुनने से वंचित रह गए। मंच संचालन पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, अरुण चतुर्वेदी, राजेन्द्र राठौड़, कैलाश चौधरी, सौम्या गुर्जर, सहित भाजपा के अनेक वरिष्ठ नेता, मंत्री, विधायक और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था – देश के विभाजन की सच्चाई को जन–जन तक पहुंचाना और उन पीड़ितों को स्मरण करना, जिन्होंने आजादी की कीमत अपने घर, परिवार और जीवन से चुकाई।

भाजपा जयपुर शहर की ओर से बिड़ला सभागार में आयोजित ''विभाजन विभीषिका'' स्मृति दिवस संगोष्ठी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

सरकार ने शुरू की ''विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना''

यह योजना राजस्थान में युवाओं के लिए स्वरोजगार की नई राह बनेगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए ''विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना'' को मंजूरी दी है। यह योजना राज्य मंत्रिमंडल की 23 अगस्त 2025 को हुई बैठक में अनुमोदित की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। सरकार का मानना है कि युवा शक्ति को यदि उचित संसाधन, प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता मिले, तो वे रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बन सकते हैं। इसी सोच को साकार रूप देने के लिए यह योजना तैयार की गई है।

इस योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।

- **इसके तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपना नया उद्यम स्थापित कर सकें या पहले से चल रहे व्यवसाय का विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण कर सकें।**

इस योजना में अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक के ऋण पर 8 प्रतिशत तक ब्याज अनुदान देने का प्रावधान है। इससे स्वरोजगार की राह में आने वाली वित्तीय बाधाएं काफी हद तक दूर होंगी और युवा नवाचार व व्यवसायिक गुणवत्ता पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। राज्य सरकार ने योजना को समावेशी स्वरूप देते हुए विशेष वर्गों के लिए अतिरिक्त लाभ भी सुनिश्चित किए हैं। महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगजन, ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित उद्यम, और कार्डधारी बुनकर एवं शिल्पकार यदि 1 करोड़ से अधिक और 2 करोड़ रुपये तक का ऋण लेते हैं, तो उन्हें एक प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान मिलेगा।

इसके अलावा ऋण पर 25 प्रतिशत अथवा अधिकतम 5 लाख रुपये तक की मार्जिन मनी भी सरकार द्वारा अनुदान के रूप में दी जाएगी, जिससे उद्यम की स्थापना या विस्तार और अधिक सुलभ हो सकेगा।राज्य सरकार का यह प्रयास केवल ऋण और सब्सिडी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक नीति का हिस्सा है, जिसके माध्यम से प्रदेश में युवाओं के लिए स्वरोजगार की मजबूत नींव रखी जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार, युवा ही प्रदेश और देश का भविष्य हैं, और उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार लगातार नई योजनाएं और नीतियां ला रही है। राजस्थान स्किल पॉलिसी, युवा रोजगार प्रोत्साहन योजना और युवा नीति 2025 जैसे कदम भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य अगले 5 वर्षों में चार लाख सरकारी भर्तियों और छह लाख निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने का है।विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना निश्चित रूप से प्रदेश में स्वरोजगार को नई गति देगी और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करेगी।

कांग्रेस और आरजेडी के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माताजी के लिए इस्तेमाल किए गए अपशब्दों के विरोध में रविवार को मालवीय नगर मंडल के तत्वावधान में जीटी सेंटर के बाहर सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ विधायक कालीचरण सराफ ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

गहलोत ने जो कार्य 5 साल में नहीं किए, वो भजनलाल ने पौने 2 साल के कार्यकाल में कर दिए : अशोक परनामी

राजनीति मजे के लिए नहीं, जनसेवा के लिए होती है गहलोत साहब : अशोक परनामी

जयपुर (कासं)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने अशोक गहलोत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत बताए कि उनके सलाहकार कौन थे, जिन्होंने उन्हें अपने ही युवा नेताओं को नाकारा–निकम्मा बोलने की सलाह दी थी। गहलोत ने पिछले पांच साल सिर्फ कुर्सी की लडाई में और आपसी झगड़ों में निकाल दिए। मैं गहलोत से पूछना चाहता हूं कि वे युवाओं के विरोध में क्यों है? गहलोत साहब, राजनीति मजे के लिए नहीं बल्कि जनसेवा के लिए होती है और यह बात मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बखूबी साबित कर रहे हैं। अब ऐसा लगता है कि अशोक गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं।

परनामी ने कहा कि गहलोत यह नरेन्द्र मोदी के सपनों का भारत है। भाजपा सरकार संगठन के साथ एकमुखी होकर जनता को विकास की योजनाएं दे रही है। गहलोत अपने तीन बार के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जो कार्य नहीं करा सके, वे सभी काम जन–जन के लाडले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने 20 माह के ही कार्यकाल में कर दिखाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जो कहते है उसे पूरा करते हैं। भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल में संकल्प पत्र में किए गए वादों में से 50 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा कर दिखाया है। भजनलाल शर्मा ने प्रदेश को ईआरसीपी, यमुना जल समझौते की सौगात दी। बिजली में प्रदेश को आत्मनिर्भर बना रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। युवाओं को 75 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गहलोत झूठे वादे करके ही हमेशा सत्ता में आए। उनके पिछले कार्यकाल में पेपरलीक की घटनाओं ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। प्रदेश की जनता को उनका जंगल राज याद है, जब प्रदेश महिला अपराध में नम्बर वन, महंगी बिजली में नम्बर वन था। उन्होंने कर्जमाफी का झूठा वादा कर किसानों को लूटा, पेट्रोल–डीजल से जनता की जेब पर डाका डाला। गहलोत के कार्यकाल में प्रदेश भ्रष्टाचार में नम्बर वन था। उन्होंने कहा कि गहलोत को नकारात्मक राजनीति छोड़कर सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अच्छे कार्यों की प्रशंसा करनी चाहिए और अपने सुझाव भी देने चाहिए।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी ने रविवार को पत्रकारों से रूबरू होकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा।

- **उन्होंने कहा कि ''गहलोत युवा और किसान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन और विकास कार्यों को पचा नहीं पा रहे हैं। ''**

प्रभारी जोगाराम पटेल ने ली समीक्षा बैठक

जयपुर । वर्षा प्रभावितों तक जल्द से जल्द राहत पहुँचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासन को पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। जिला प्रभारी मंत्री जोगाराम पटेल का। जोगाराम पटेल ने यह बात रविवार को जिला कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए की। उन्होंने आपदा के दौरान अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजा स्वीकृति की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार की उपस्थिति में आयोजित बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति, प्रभावित जनता को समय पर सहायता उपलब्ध कराने, गिरदावरी और फसल नुकसान के सर्वेक्षण की स्थिति सहित बीमा दावों एवं मुआवजा प्रक्रिया की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी की जाए तथा राहत सामग्री एवं चिकित्सकीय सेवाएं शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने फसल हानि एवं पशु हानि का सही आकलन कर प्रभावित किसानों और पशुपालकों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव आज

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आतिथ्य में सोमवार को बिरला सभागार में प्रदेश के मसालों से जुडे कृषकों, व्यापारियों, निर्यातकों एवं अन्य मसाला हितधारकों के लिए कृषि विपणन विभाग–बोर्ड द्वारा राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव–2025 का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा 226 करोड रुपए की लागत से हुए 143 निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा में नवाचार और मानक सुधार जारी : चिकित्सा मंत्री

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के नेतृत्व में राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नवाचारों ने प्रदेश की सेहत की तस्वीर बदल दी है। निरामय राजस्थान अभियान, मिशन मधुहारी, मिशन लीवर स्माइल, स्तनपान प्रबंधन इकाइयां, हीमोडायलिसिस वार्ड और मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना जैसी पहलों के माध्यम से आमजन को बेहतर, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इन योजनाओं के प्रभाव से न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि प्रदेश के दूर–दराज़ और आदिवासी इलाकों में भी बीमारियों का प्रभावी इलाज हो रहा है। निरामय राजस्थान अभियान के तहत हर माह स्वास्थ्य जागरूकता की एक थीम पर आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। मिशन मधुहारी के तहत टाइप–1 डायबिटीज रोगियों को नि:शुल्क इंसुलिन और ग्लूकोमीटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि मिशन लीवर स्माइल से लीवर रोगों के प्रति जागरूकता और समय पर इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए स्तनपान प्रबंधन इकाइयों की स्थापना की गई है, जो नवजात शिशुओं को मां का दूध उपलब्ध कराने में सहायक हैं। किडनी रोगियों के लिए जिला अस्पतालों में हीमोडायलिसिस वार्ड बनाकर डायलिसिस सेवाएं सुलभ की गई हैं। मुख्यमंत्री आयुष्मान आदर्श ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाकर आदर्श ग्रामों का निर्माण किया जा रहा है। स्वस्थ नारी चेतना अभियान के अंतर्गत एचआईवी संक्रमित महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग की गई, जिससे समय पर इलाज की सुविधा मिली है। इन समर्पित प्रयासों से राजस्थान में स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार हुआ है और प्रदेशवासी स्वस्थ जीवनशैली की ओर जागरूक हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी नीतियों ने राजस्थान को स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक नई दिशा दी है।

82 प्रतिशत भारतीय ट्रैवलर्स की पसंद हैरिटेज और फेस्टिवल टूरिज्म : ललित के. पंवार

12वां आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग संपन्न

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । हाल ही में जारी सांस्कृतिक पर्यटन रिपोर्ट बताती है कि 82 प्रतिशत भारतीय पर्यटक हैरिटेज और त्यौहारों के लिए यात्रा करना पसंद करते हैं। पर्यटन वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) में लगभग 5 प्रतिशत का योगदान देता है। अगर हम इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर सकें, तो इस क्षेत्र में लगभग 4 करोड़ रोज़गार सृजित करने की क्षमता है।'' यह बात राजस्थान पब्लिक सर्विस कमिशन के पूर्व चेयरमैन, आईएएस, ललित के पंवार ने कैसल कानोता में आयोजित 12वें आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन के समापन पर एक सत्र को संबोधित करते हुए कही।

- **कैसल कानोता में पूरे भारत से लगभग 150 हैरिटेज होटेलियर्स शामिल**
- **दो दिनों के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन**
- **इस कन्वेंशन में पहला ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया**

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पर्यटन में उन क्षेत्रों में भी रोज़गार पैदा करने की अनोखी क्षमता है ,जहां अवसर कम हैं, जैसे रेगिस्तानी इलाके। पंवार ने यह भी बताया कि विदेशी पर्यटकों का आगमन अब महामारी से पहले की स्थिति पर पहुंच रहा है, जो उद्योग के सुधार और विकास के लिए अच्छे संकेत हैं।भारत में हैरिटेज टूरिज्म एवं पर्यटन को प्रमोट करने के उदेश्य के साथ आयोजित इंडियन हैरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के दो दिवसीय 12वें आईएचएचए एनुअल कन्वेंशन और 24वीं एनुअल जनरल मीटिंग का जयपुर स्थित कैसल कानोता में सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दो दिवसीय कन्वेंशन के दौरान विविध विषयों पर ज्ञानवर्धक एवं रोचक सत्रों का हुआ आयोजन, जिसमें पर्यटन एवं हेरिटेज प्रॉपर्टीज के भविष्य और संरक्षण पर चर्चा की गई।

हैरिटेज टूरिज्म के प्रख्यात नाम स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की स्मृति में उनकी बेटियां रोहिणी सिंह, नियति सिंह और भतीजे अंगद ने रविवार को नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को मंडावा ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवार्ड प्रदान किया। यह पुरस्कार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए दिया गया।

ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड

इस अवसर पर पहली बार हैरिटेज हॉस्पिटैलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए ठाकुर रणधीर विक्रम सिंह मंडावा मेमोरियल अवॉर्ड प्रदान किया गया। यह अवॉर्ड आईएचएचए के प्रेसिडेंट एमिरेट्स, एचएच महाराजा गज सिंह द्वारा नीमराणा होटल्स के चेयरमैन अमन नाथ को प्रदान किया गया।

इस दौरान स्वर्गीय रणधीर विक्रम सिंह मंडावा की बेटियां रोहिणी सिंह, नियति सिंह और भतीजे अंगद मंडावा उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि रणधीर विक्रम सिंह मंडावा का जब निधन हुआ था, तब वे आईएचएचए के अध्यक्ष थे। वे हैरिटेज टूरिज्म के क्षेत्र में प्रख्यात नाम रहे हैं, जिन्हें विश्व पर्यटन में मंडावा और शेखावाटी क्षेत्र को आगे लाने का श्रेय जाता है।

फ्यूचर ऑफ टूरिज्म पर सत्र

कन्वेंशन के दौरान फ्यूचर ऑफ टूरिज्म विषय पर एक ज्ञानवर्धक पैनल चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा के दौरान राजस्थान के युवा होटेलियर्स पैनल में शामिल हए। उन्होंने गेस्ट द्वारा किसी जगह की मौखिक रूप से तारीफ (वर्ड ऑफ माउथ पब्लिसिटी) करने को आज के समय में भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव अन्य गेस्ट्स पर भी ज्यादा असरदार होता है।

वहीं, सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे कई नए डिजिटल टूल्स की मदद से अब ऐसी जगहें भी लोगों के सामने आ रही हैं, जो पहले पर्यटकों की नजरों से छुपी हुई थीं। उन्होंने बताया कि आज के समय में किसी भी ब्रांड के लिए ऐसा इन्फ्लुएंसर चुनना जरूरी हो गया है, जो उसकी कहानी को उस भाव के साथ लोगों तक पहुंचा सके, जैसा भाव उस कहानी में छुपा होता है। इस सत्र में एम.के जयदेव सिंह कोटा, अविजीत सिंह रोहेट, भाग्यदित्य सिंह देवगढ़ और मोरमुकुट सिंह कानोता ने हिस्सा लिया।

''रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट'' पर चर्चा

इस दौरान एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा रिवाइविंग द डाइंग आर्ट एंड क्राफ्ट विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्राणा सिंह जामवाल, युवरागी राठौड़, शान भटनागर और देव्यानी भटनागर ने अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि राजस्थानी पहनावा, पारंपरिक संगीत, स्थानीय व्यंजन और त्योहार न सिर्फ हमारी संस्कृति की पहचान हैं, बल्कि ये हमें अपनी जड़ों से भी जोड़े रखते हैं।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि किसी भी कला या शिल्प को जीवित रखने के लिए उसका इतिहास और उससे जुड़ी कहानियां जानना और समझना बेहद जरूरी है।

पर्यटन-हॉस्पिटैलिटी उद्योग में जीएसटी के प्रभाव पर चर्चा

भारत 22 सितंबर से एक सरल दो–स्लैब जीएसटी प्रणाली को अपनाने जा रहा है, जिससे पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी उद्योग को नई गति मिलने की उम्मीद है। इसी विषय को केंद्र में रखते हुए कन्वेंशन में जीएसटी पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में सीए यश धड्डा और सीए चित्रांगदा शेखावत ने होटल व्यापार, हेरिटेज प्रॉपर्टीज और रेस्टोरेंट से संबंधित जीएसटी नियमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कन्वेंशन में होटेलियर्स और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुडे उपस्थित लोगों की विभिन्न भ्रांतियों का समाधान करते हुए उन्हें विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

होर्स सफारी एंड रुरल टूरिज्म पर चर्चा

इस पैनल चर्चा में मल्लिका सिंह डुंडलोद, रघुवेंद्र सिंह डुंडलोद, ओलिवर सिंक्लेयर, महिराज सिंह चनौद और अंगद देव मंडावा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार होर्स सफारी ग्रामीण समुदायों का समर्थन करते हुए स्थायी पर्यटन को बढ़ावा देती है। उन्होंने मारवाड़ी घोड़ों के सांस्कृतिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ये स्वस्थ और उत्कृष्ट घोड़े अब खेलों का भी हिस्सा हैं, जिससे वे ऑथेंटिक और रिस्पॉन्सिबल एक्सपीरियंस चाहने वाले यात्रियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गए हैं।इसके अतिरिक्त, नरेश अरोड़ा द्वारा मार्केटिंग पर; यदुवीर बेरा द्वारा बेरा जैकेट्स पर और भारत सिंह द्वारा ओल्ड सिटी ऑफ जयपुर विषय पर रोचक टॉक्स आयोजित हुए। कार्यक्रम का समापन के आईएचएचए के संयुक्त सचिव, पृथ्वी सिंह कानोता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

बजरंग दल चलाएगा देशव्यापी नशा मुक्ति अभियान

- **स्कूल-कॉलेजों और समाज में होंगे जागरूकता कार्यक्रम**

जयपुर। युवाओं में तेजी से बढ़ रही नशे की लत को गंभीर चिंता का विषय मानते हुए बजरंग दल ने देशभर में नशा मुक्ति अभियान शुरू करने की घोषणा की है। जयपुर प्रवास के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने कहा कि यह अभियान व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा, जिसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों और समाज के विभिन्न वर्गों में जागरूकता कार्यक्रम, खेलकूद प्रतियोगिताएं और संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह अभियान विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के युवा संगठन बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा। इसके तहत साप्ताहिक बैठकों में यह तय किया जाएगा कि अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए समाज के विभिन्न संगठनों, युवाओं और प्रशासन के साथ समन्वय कैसे बढ़ाया जाए। नीरज दौनेरिया ने कहा कि देश के अधिकांश प्रमुख मंदिरों का नियंत्रण सरकार के पास है, जबकि विहिप का मानना है कि मंदिरों का प्रबंधन हिंदू समाज के लोगों द्वारा किया जाना चाहिए तथा मंदिरों की आय केवल हिंदू समाज के हितों में खर्च की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस विषय पर आगामी बैठकों में ठोस रणनीति बनाई जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर देशभर के मुख्यमंत्रियों, विधायकों से संवाद स्थापित किया जाएगा। साथ ही जनजागरण अभियान, सम्मेलन और जनसभाएं भी आयोजित की जाएंगी।

पानी में उतरकर केबिनेट मंत्री जोराराम ने फसल खराबे का जायजा लिया

केबिनेट मंत्री जोराराम ने किसानों से बैठक कर मुआवजे का भरोसा दिया

पाली/सुमेरपुर, (नि.सं.)। पाली जिले की सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बाद उपजे हालात का जायजा लेने के लिए स्थानीय विधायक व पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत लगातार तीसरे दिन भी दौरे पर रहे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ खेतों में भरे पानी के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया। साथ ही गांवों में घरों व मवेशियों को हुए नुकसान के संबंध में ग्रामीणों से बैठक कर वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी लेकर जिला कलेक्टर से दूरभाष पर बात कर प्रभावितों को हरसंभंव सहायता का आश्वासन दिया।

मंत्री कुमावत गांव दलाराम, रूपावास, भांवरी और गिरादड़ा क्षेत्र की फसलों का जायजा लेने के लिए गहरे पानी में स्वयं उतर गए। इसे देख अधिकारी भी पहुंचे और पीड़ितों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए सर्वे करने का भरोसा दिया। मंत्री जोराराम कुमावत ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को शत-प्रतिशत सर्वे कर जल्द से जल्द प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भेजने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों में पहले से रिपोर्ट तैयार की

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बाद उपजे हालात का जायजा लिया।

गई है, वहां फिर से सर्वे कर पुनः प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के आदेश दिए हैं।

केबिनेट मंत्री कुमावत ने भांवरी में चौपाल पर किसानों से चर्चा की और आश्वासन दिया कि अतिवृष्टि से हुए नुकसान का मुआवजा जल्द से जल्द दिया जाएगा। कुमावत ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण सभी खेतों में जलभराव की स्थिति है, किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। इसकी शत-प्रतिशत गिरदावरी के लिए अधिकरियों को निर्देशित किया गया है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध जवाई लबालब हो चुका है। बांध के कुल 13 में से 9 गेट शनिवार को खोल दिए गए थे, बांध में पानी की आवक थोड़ी घटने से फिलहाल तीन गेट दो-दो फीट तक ही खोले गए हैं। जवाई नदी में पानी छोड़ने व जमकर हुई बरसात से पाली व जालोर जिले के अधिकतर नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। कई

- **जोराराम ने अधिकारियों को फसल खराबे का प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिये**

गांवों का संपर्क टूट गया है। रविवार सुबह हेमावास बांध भी ओवरफ्लो नजर आया। यहां करीब एक फीट की चादर चल रही है। इसके अलावा सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के तखतगढ़ शहर की महावीर बस्ती, नेहरू रोड सहित अन्य बस्तियों में पानी भर गया। रविवार को सुमेरपुर-शिवगंज की तरफ जाने वाले पुल से पानी तो उतर गया लेकिन बरसात के चलते पुल क्षितठास्त हो गया। ऐसे में आना-जाना बंद रखा गया।

इस दौरान मंत्री के साथ पाली प्रधान के प्रतिनिधि पुखराज पटेल, सहकारी समिति के अध्यक्ष गोपाराम, चैन सिंह सांखला, दिलीप पटेल, दल्लाराम पटेल, वार्ड पंच भीमाराम, पाली एसडीएम विमलेंद्र सिंह राणावत, तहसीलदार कल्पेश जैन, पटवारी गोपाल सिंह, भैरू सिंह, मगा सिंह, चैन सिंह, कानाराम, जालम सिंह, शैतान सिंह, मोहनलाल पटेल आदि साथ थे।

जवाई का पानी सायला क्षेत्र में पहुंचा, कई जगह जलभराव

कलेक्टर व एसपी ने सायला में जवाई नदी किनारों का निरीक्षण किया

सायला, (नि.सं.)। पश्चिमी राजस्थान के सुमेरपुर के निकट स्थित जवाई बांध से शनिवार दोपहर को पानी की निकासी शुरू होने से सायला क्षेत्र की जवाई नदी में रविवार सवेरे पानी पहुंचा। जानकारी के अनुसार जवाई बांध में सेई बांध से निरंतर पानी की आवक होने तथा केचमेंट एरिया में बारिश के बाद शनिवार को दोपहर दो बजे बांध के गेट खोलकर नदी में पानी छोड़ना शुरू किया था, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया।

उपखंड अधिकारी सूरजभान विश्नोई, तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी व विकास अधिकारी गौरव विश्नोई ने पटवारियों, ग्राम विकास अधिकारियों को संबंधित क्षेत्रों में भेजकर नदी की रपटों पर आवाजाही को बंद करवाया गया। साथ ही संभावित आपदा से निपटने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर निचले भराव वाले क्षेत्रों में निवास करने वाले ग्रामीणों को दूसरी जगहों व स्कूलों आदि में शिफ्ट कराने का कार्य किया। शाम को बांध के 8 गेट खुलने से जल्द ही नदी प्रवाहित होने की संभावना से लोग रात भर एक दूसरे से जानकारी लेते रहे, जबकि प्रशासन व पुलिस लगातार नदी क्षेत्रो की गश्त करती नजर आई। साथ ही भोंपू से ग्रामीणों को सूचना देकर सतर्क रहने की अपील की। वहीं रविवार को सुबह उम्मेदाबाद, खरल, ओटवाला होता हुआ जवाई का पानी सायला क्षेत्र में पहुंचा। जिसकी सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ नदी किनारे उमड़ने लगी, जिन्हें पुलिस द्वारा बेरीकेट लगाकर आगे जाने से रोक दिया था। दोपहर में अचानक बहाव में जलस्तर बढ़ गया, जो सायला के भीलवाड़ी के नीचले इलाकों में पानी भर गया, जहां से निवासरत ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाला तथा कात्यायनी माता मंदिर में पानी का भराव हो गया।

जवाई बांध के गेट खुलने से जवाई नदी प्रवाहित होने के बाद रविवार को जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के गवांडे व जिला पुलिस अधीक्षक शेलेंद्रसिंह इंदौलिया सायला दौरे पर रहे तथा उम्मेदाबाद, खरल, सायला व पोषाणा में नदी प्रवाह क्षेत्र का निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था देखी। पुलिस को नदी के प्रवाह के दौरान किसी भी वाहन या व्यक्ति को अंदर नहीं जाने के लिए निर्देशित किया। साथ ही आमजन से सतर्कता बरतने की अपील। इस दौरान तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी, विकास अधिकारी गौरव विश्नोई, थानाधिकारी सुरेंद्रसिंह मौजूद रहे। विकास अधिकारी व तहसीलदार ने संभावित आपदा से निपटने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

लॉरेंस गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार

लॉरेंस गैंग के ये गुर्गे बीकानेर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे

बीकानेर, (निसं)। लॉरेंस गैंग के 2 गुर्गों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनके कब्जे से 5 पिस्टल, एक मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। दोनों बदमाशों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। लॉरेंस गैंग के ये गुर्गे बीकानेर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

एडिशनल एसपी सौरभ तिवाड़ी ने बताया कि बीकानेर पुलिस ने इस गैंग के मूवमेंट पर लगातार नजर रखी थी। इस गैंग के सदस्य कोई बड़ी वारदात बीकानेर शहर में करने की फिराक में थे। ये सूचना मिलने पर आईजी हेमंत शर्मा के निर्देशन में कार्रवाई की गई। इसके तहत एमपी नगर पुलिस ने श्रवण सिंह सोडा पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी बज्जू और राजेश तरड पुत्र रामेश्वर निवासी खाजूवाला को गिरफ्तार किया है। इनमें श्रवण सिंह पर तस्करी के कई आरोप लग चुके हैं। राजेश तर्ड खाजूवाला का हिस्ट्रीशीटर है। इन दोनों के खिलाफ करीब 25-25 मुकदमें विभिन्न राज्यों और राजस्थान के विभिन्न थानों में दर्ज है। यह दोनों बदमाश गजनेर

- **पांच पिस्टल सहित मैगजीन व कारतूस बरामद, 25-25 हजार का इनाम घोषित था**

थाना इलाके में मारपीट करने की गंभीर वारदात में शामिल थे। ये दोनों लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के लगातार संपर्क में थे। पुलिस ने इन तीनों के बीच हुई बातचीत और गतिविधियों के आधार पर मामला दर्ज किया है। जिसमें हैरी बॉक्सर (लॉरेंस गैंग का सदस्य), श्रवण और राजेश तर्ड पर संगठित अपराध व आर्म्स एक्ट की गंभीर धाराओं में हुआ मामला दर्ज किया गया। श्रवण सोढ़ा अपने साथियों के साथ मिलकर एक गैंग भी चलाता है, जिसका नाम सोढ़ा गैंग है। कुछ दिन पहले खाजूवाला में इसकी गैंग से 2 लोगों को गिरफ्तार किया। उनसे 2 पिस्टल बरामद की गई थी। श्रवण सिंह सोडा गुजरात के पुलिस थाना गांधीनगर में अपहरण व फिरौती के मामले में भी वांछित है।

खरल में नदी में उतरने पर दो व्यक्ति गिरफ्तार

सायला, (नि.सं.)। सायला थानाक्षेत्र के खरल गांव में चल रही जवाई नदी के बहाव में समझाइश के बावजूद बार-बार पानी में उतरने पर सायला पुलिस द्वारा दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्रसिंह इन्दौलिया के निर्देशन में जिले में भारी बारिश के दौरान चल रहे बाढ़ बचाव अभियान एवं जवाई बांध की फाटकें खोलने के कारण जवाई नदी में तेज बहाव होने के कारण संघन गश्त, निगरानी एवं मानव सुरक्षा के लिए जवाई नदी के नाकों पर लगाये गये पुलिस जाब्ते के द्वारा रविवार को स्थानीय लोगों को जवाई नदी क्षेत्र से दूर एवं सुरक्षित स्थानों पर रहने के लिए समझाइश की गई। इसी दौरान थाना हल्का क्षेत्र के गांव खरल के पास चल रही जवाई नदी के बहाव में दो व्यक्ति बावजूद समझाइश के बार-बार पानी में उतरने पर मीठाराम पुत्र राणाराम भील एवं भंवरलाल पुत्र जोगाराम मेघवाल निवासी खरल को पुलिस के तैराकों द्वारा पानी से बाहर निकाल कर जान बचाई एवं दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस कार्यवाही पुलिस टीम में एएसआई राजाराम, कांस्टेबल अर्जुनकुमार मौजूद रहे।

गोगामेड़ी मेले का समापन, मेले में 20 लाख श्रद्धालु पहुंचे

हनुमानगढ़, (निसं)। राजकीय आत्मनिर्भर मंदिर गोगाजी गोगामेड़ी मेला वर्ष 2025 का रविवार को भाद्रपद पूर्णिमा पर औपचारिक समापन हुआ। समापन के मौके पर भादरा विधायक संजीव बेनीवाल, नोहर अतिरिक्त जिला कलेक्टर संजू पारीक, नोहर उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव और भादरा एसडीएम कल्पित श्योराण, मंदिर के महंत रूपनाथ, प्रशासक गोगामेड़ी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

इस वर्ष मेले में पंजाब में आई बाढ़ के कारण दूसरे पखवाड़े में श्रद्धालुओं की संख्या कुछ घटी, फिर भी करीब 20 लाख श्रद्धालु गोगामेड़ी पहुंचकर गोगाजी के दर्शन किए। आय के मामले में इस बार रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। दानपात्रों और रसीदों से पिछले वर्ष 2,12,55,520 रुपए की आय हुई थी, जबकि इस बार यह बढ़कर 3,09,50,596 रुपए (7 सितम्बर तक की गणना अनुसार) हो गई है। अभी 20 से 25 लाख रुपए की राशि की गणना शेष है। अस्थाई भूखंडों एवं अन्य स्रोतों से हुई आय को मिलाकर अब तक कुल आय 8.87 करोड़ रुपए दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष के 7.71 करोड़ रुपए से कहीं अधिक है।

जिला प्रशासन और देवस्थान विभाग ने इस बार यात्रियों की सुविधा के लिए कई नवाचार किए, जिनका व्यापक असर दिखाई दिया। मंदिर परिसर में करीब 850 फीट स्थायी स्टील बेरिकेटिंग बनाई गई, जिससे श्रद्धालुओं को धूप और बारिश से राहत मिली और चेन स्नेचिंग और पर्स चोरी की घटनाओं पर भी रोक लगी। समाधि के दर्शन के लिए 3 बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गईं। श्रद्धालुओं के ठहरने हेतु प्रतिदिन 3 हजार यात्रियों की क्षमता वाले जर्मन हैंगर युक्त रैन बसेरे तैयार किए गए, जिनमें 48 शौचालय और 48 स्नानघर भी बनाए गए।

देवस्थान सहायक आयुक्त ओमप्रकाश के मुताबिक, रैन बसेरों में विश्व मानव रूहानी केंद्र की ओर से निशुल्क अस्पताल संचालित किया गया, जिसमें करीब 20 हजार मरीजों का इलाज किया गया और दवाइयां भी वितरित की गईं। मेले में एक भी गंभीर हादसा दर्ज नहीं हुआ। रैन बसेरों के सामने श्रद्धालुओं के लिए भंडारों की भी व्यवस्था की गई।

जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की पहल पर गोगाजी मंदिर के लिए एक अधिकृत वेबसाइट विकसित की गई, जिसके माध्यम से श्रद्धालुओं को मेले से जुड़ी जानकारी और लाइव दर्शन उपलब्ध हुए। श्रद्धालुओं के लिए मेला परिचय पुस्तिका छपवाकर वितरित की गई और हेल्पलाइन भी जारी की गई। इस बार मेले में प्रतिदिन लेजर एंड साउंड शो का आयोजन कर श्रद्धालुओं को आकर्षित किया गया।

नौकरी के नाम पर ठगी

बीकानेर, (निसं)। यहां स्टेशन रोड पर रहने वाले एक युवक को रेलवे में नौकरी दिलाने के लिए पिता ने साढ़े 4 लाख रुपए कुछ युवकों को दिए। नौकरी भी नहीं मिली और न रुपए ही वापस आए। अब कोटगेट थाने में इस संबंध में मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रानी बाजार में छप्पन भोग के सामने रहने वाले पवन कुमार सिकवाल अपने बेटे राघव को सरकारी नौकरी लगवाना चाहते थे। इस संबंध में उन्होंने परिचितों से बात की। इसी दौरान एक गिरोह के लोग उस तक पहुंच गए। मूल रूप से पश्चिम बंगाल में रहने वाले पवन को बिहार के नीरज पांडे औ ा र दीवाकर पांडे, पश्चिम बंगाल के आकाश शर्मा और रोहित शॉ के अलावा सतीश चौधरी, शिव कुमार चौधरी ने मुलाकात की।

हमले में दुकानदार घायल

उदयपुर, (कासं)। चाय के रूपयों के लेनदेन के विवाद में व्यापारी ने तेजाब से हमला कर चाय देने वाले को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 अगस्त को कियावतों की भागल गोगुन्दा निवासी प्रेमसिंह पुत्र किशनसिंह राजपूत पर किराणा व्यापारी इसवाल निवासी भरत सोनी पुत्र जगदीश चन्द्र सोनी तथा दिलीप सोनी पुत्र जगदीश सोनी ने तेजाब छिड़क दिया। घायल को परिजन उपचार के लिए ले गए। प्रेमसिंह चाय नाश्ता की दुकान चलाता है तथा भरत सोनी चामुण्डा नाम से किराणा दुकान चलाता है। घटना वाले दिन दस रूपये की चाय लेने के दौरान खाली कप देने को लेकर दोनों में विवाद हो गया। इस दौरान आवेश में आकर आरोपी ने तेजाब छिड़क कर पीड़ित को घायल कर दिया। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

रेलवे ने बिना टिकट यात्रा पर 87.55 लाख रुपए जुर्माना वसूला

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल ने ट्रेनों में बिना और अनियमित टिकट पर यात्रा करने वाले लोगों को सबक सिखाते हुए एक माह में पकड़े गए ऐसे कुल 20 हजार मामलों से 87.55 लाख का उल्लेखनीय जुर्माना वसूल करने में सफलता हासिल की है। बड़ी बात यह है कि मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा बिना टिकट यात्रा को हतोत्साहित करते हुए पकड़े गए ऐसे मामलों की संख्या निर्धारित टारगेट से 12.79 फीसदी ज्यादा है जिसके अनुपात में वसूल किया गया राजस्व भी दिए गए लक्ष्य से 29.61 प्रतिशत अर्थात 20 लाख रुपए अधिक है।

- **वसूली गई राशि एक माह के तय टारगेट से 20 लाख रुपए ज्यादा**
- **साढ़े पांच हजार यात्रियों पर रिजर्व्ड डिब्बों में यात्रा करने पर ठोका जुर्माना**

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि मंडल पर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के नेतृत्व और निर्देशानुसार चलाए जा रहे सघन टिकट जांच अभियान के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं तथा इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। इस उपलब्धि पर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने वाणिज्य विभाग व टिकट चेकिंग स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत मंडल के सभी रेलमार्गों पर चलने वाली ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा की गई औचक जांच के दौरान अगस्त माह में जहां 14 हजार 521 यात्री बिना टिकट और साढ़े पांच हजार यात्री अनियमित टिकट पर (निर्धारित डिब्बे की बजाय आरक्षित डिब्बे में) यात्रा करते पाए गए जिनसे रेलवे ने 87 लाख 49 हजार रुपए बतौर किराया व जुर्माना वसूल किया जबकि बिना बुक सामान के 19 अन्य मामलों पर 5 हजार रुपए जुर्माना आरोपित किया गया।

अभियान के दौरान इस बार स्वच्छ रेल स्वच्छ परिसर के अभियान को गति देते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ ने ट्रेनों और स्टेशनों पर गंदगी फैलाने वाले 2 हजार 831 यात्रियों से 3 लाख रुपए जुर्माना वसूल कर उन्हें स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त 103 यात्री ऐसे भी पकड़े गए जो नियमों की अवहेलना करते हुए बीड़ी-सिगरेट फूंक रहे थे, इनसे भी 16 हजार 500 रुपए वसूल कर ऐसा न करने की चेतावनी दी।

परिवार पर चढ़ाई कार, मासूम की मौत, चार की हालत गंभीर

लखासर टोल नाके पर एक कार ने टोल नाके का बैरियर तोड़ दिया था, दिल्ली के युवक हिरासत में

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ के पास स्थित लखासर टोल नाके पर एक कार ने टोल नाके का बैरियर तोड़ दिया। इसके बाद वहां पास ही स्थित बस स्टैंड पर एक परिवार पर गाड़ी चढ़ा दी। इससे डेढ़ साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने कार चला रहे दिल्ली के युवकों को हिरासत में लिया है। बीकानेर-जयपुर नेशनल हाइवे पर रविवार सुबह करीब सात बजे एक कार तेज गति से निकली। दिल्ली से आ रहे कुछ युवक इस कार को चला रहे थे। पहले लखासर टोल नाके पर बैरियर को तोड़कर भागे। करीब 8 किलोमीटर आगे बीकानेर की तरफ जोधासर बस स्टैंड के पास सड़क किनारे तंबू डालकर बैठे परिवार पर कार चढ़ा दी। इससे डेढ़ साल के बच्चे वंश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। कार की चपेट में आने से एक पशु ने भी दम तोड़ दिया। घटना के बाद राहगीरों ने घायलों को संभाला और एक पिकअप में डालकर पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां इनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मौके पर शेरुणा थाने के एएसआई पूर्णमल पहुंचे। फिलहाल गाड़ी को जब्त कर लिया गया है और युवकों को हिरासत में लिया गया है। घटना झपकी आने से हुई या फिर नशे में कार चलाने से हुई इसका पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने किसी को गिरफ्तार नहीं किया है, लेकिन हिरासत में पूछताछ की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री बैरवा ने फसल खराबे के संबंध में जानकारी ली

भीलवाड़ा, (निसं)। अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना अधिकारियों की प्राथमिकता रहे। आपदा राहत व अतिवृष्टि से संबंधित विभागों के समस्त अधिकारी फील्ड में अलर्ट रहकर सघन मॉनिटरिंग करे, किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना मिलने पर त्वरित निराकरण व सहायता उपलब्ध करायें। उप मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा रविवार को भीलवाड़ा जिले के एक दिवसीय दौरे के दौरान जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अतिवृष्टि से संबंधित मुद्दों पर आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक लेकर अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अत्यंत महत्वपूर्ण सड़कों के गड्ढों की मरम्मत एवं पेचवर्क त्वरित गति से कराने तथा पशु चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने जिले में फसल खराबे के संबंध में जानकारी ली व ऑनलाइन गिरदावरी का कार्य व फसल खराबे का सर्वे जल्द पूरा कर मुआवजे के प्रस्ताव तैयार कर उच्च स्तर पर भेजने हेतु

- **उप मुख्यमंत्री बैरवा ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों की समीक्षा की**

निर्देशित किया, जिससे कि जिले के प्रभावित कृषकों को राहत पहुंचाई जा सके। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला प्रशासन द्वारा राज्य सरकार को सड़कों व पुलों की मरमत के कार्य, विद्यालयों व आंगनबाड़ी मरम्मत के विभिन्न कुल 1200 कार्यों के प्रस्ताव भिजवाए गए हैं व शेष अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यो के भी प्रस्ताव तैयार कर जल्द भिजवाये जाएंगे।

बैठक में उप मुख्यमंत्री ने आगामी समय में राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने वाले गांव चलो अभियान, शहर चलो अभियान एवं सहकारिता सदस्यता अभियान की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन अभियानों में किए जाने वाले कार्यों का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार किया जाए और जनभागीदारी से इन्हें सफल बनाया जाए।

उप मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के निर्देश अनुसार जिले के तय पंच गौरव उत्पादों के कार्यों की वर्तमान प्रगति की समीक्षा की।

जिला कलेक्टर ने उप मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि पंच गौरव कार्यक्रम के तहत उत्पादों के विभिन्न विकास व अन्य कार्यों हेतु राज्य सरकार को प्रस्ताव तैयार कर भिजवाए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता उपलब्ध होने के पश्चात पंच गौरव उत्पादों के संबंध में आवश्यक विकास कार्य करवाये जाएंगे। जिला कलेक्टर संधू ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अतिवृष्टि से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारी प्रत्येक स्थिति पर बारीकी से निगरानी रखे हुए हैं।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, मांडलगढ़विधायक गोपाललाल खंडेलवाल, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि प्रशांत मेवाड़ा, अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा, एडीएम सिटी प्रतिभा देवटिया, नगर विकास न्यास सचिव ललित गोयल, उपखंड अधिकारी अक्षत सिंह सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षैत्र में युवक ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार रात में वाड़ा फला जावर हाल सविना थाना क्षैत्र हीर बावड़ी निवासी जितेश पुत्र शंकरलाल मीणा ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। जितेश हीरा बावड़ी में रहने वाली युवती के साथ लिविंग रिलेशन में रहता था। रात में वह उसके हीरा बावड़ी में स्थित मकान पर गया था, जहां उसकी मां से मिलने गया। वहां किसी बात को लेकर कहासुनी होने पर उसे फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

दोस्त ने ही दोस्त को मौत के घाट उतारा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के ओम नगर इलाके में मामूली से विवाद के बाद दोस्त ने ही दोस्त को मौत के घाट उतार दिया, हालांकि पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, हत्या के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है। वहीं दूसरी ओर फाइनेंस एसोसिएशन और परिजनों ने सूचना केंद्र चौराहे पर एक करोड़ का मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि मृतक कमलेश सुथार घर में कमाने वाला अकेला था, उसके दो बच्चे हैं और परिवार की जिम्मेदारी उसी के ऊपर थी, उसकी मौत के बाद परिवार आर्थिक संकट से ना जूझे इसके लिए आर्थिक सहायता की मांग और मृतक के आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए।

हनुमानगढ़ : भटनेर दुर्ग के द्वार से सटा बुर्ज ढहने की कगार पर

हनुमानगढ़, (निसं)। भटनेर दुर्ग संकट के दौर से गुजर रहा है। लगातार हो रही बारिश ने इस किले की मजबूती को गहरा आघात पहुंचाया है। पिछले कुछ समय से किले की बुर्जियां एक-एक कर गिर रही हैं और अब हालात इतने बिगड़ गए हैं कि मुख्य द्वार से सटी बुर्ज भी ढहने की कगार पर पहुंच गई है। ऐसे में आमजन की सुरक्षा को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने किले में पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया है।

- **आमजन की सुरक्षा को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने किले में पर्यटकों का प्रवेश बंद किया**

किले के मुख्य द्वार से प्रतिदिन सैकड़ों नागरिकों का आना-जाना होता है। यदि यह बुर्ज अचानक गिरती है तो बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों में डर और आक्रोश दोनों है। जानकारी के अनुसार यहां मौजूद करीब 12 बुर्ज जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं और कभी भी गिर सकते हैं। पश्चिम दिशा में स्थित बुर्ज संख्या 16 पहले ही टूटकर गिर चुका है। कुछ दिनों पहले पुरातत्व विभाग ने कलेक्टर को पत्र लिखकर चेतावनी भी दी थी। इतिहासकारों के अनुसार यह दुर्ग लगभग 1700 वर्ष पुराना है और कई शासकों की विरासत को अपने भीतर समेटे हुए हैं, मगर वर्तमान में इस धरोहर की दीवारें और बुर्जियां धीरे-धीरे जर्जर होकर ढह रही हैं।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। पुरातत्व विभाग के संरक्षण सहायक विपुल कुमार ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से किले में आमजन और पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। टीम पूरे किले में अन्य जर्जर हिस्सों की मॉनिटरिंग कर रही है।

गुवारड़ी बांध में बहे बालक का शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। गुवारडी बांध की रपट में 15 वर्षीय बालक बहने के मामले में दूसरे दिन भी बचाव अभियान जारी रहा। दूसरे दिन रविवार दोपहर में बालक का शव 500 मीटर दूर नदी के बीच झाड़ियों में फंसा मिला। शनिवार को अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोका दिया गया था। मंगरोप थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि एसडीआरएफ सिविल डिफेंस की टीमों ने दो दिन बात सर्च पूरा करते हुए 500 मीटर की दूरी पर 15 वर्षीय बालक जितेंन्द्र आचार्य का शव बरामद कर लिया। जितेंद्र शनिवार को दोपहर बाद दोस्तों के साथ नहाने गया था। बांध ओवरफ्लो से रपट पर चादर चलने दौरान नहाते वक्त जितेंन्द्र रपट में बह गया था।

- **शव 500 मीटर दूर नदी के बीच झाड़ियों में फंसा मिला**

अभी मेरे पास आईपीएल 2026 को लेकर काफी समय है कि, वो आईपीएल का नया सीजन खेलेंगे या नहीं इस पर मैं सही समय आने पर फैसला लूंगा।

- महेन्द्र सिंह धोनी

भारतीय बल्लेबाज, आईपीएल 2026 में अपने खेलने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **विराट कोहली**

टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में खेलते हुए नजर आएंगे। कोहली ने पिछले एक साल के अंदर ही टी-20 और टेस्ट से संन्यास ले लिया है, ऐसे में वह सिर्फ वनडे फॉर्मेट में भारत के लिए खेलेंगे। वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए विराट कोहली ने कमर कस ली है। वहीं भारतीय खिलाड़ी हाल ही में फिटनेस टेस्ट से गुजरे हैं। बता दें कि, ज्यादातर खिलाड़ियों को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया।

क्या आप जानते हैं ?... 1900 से पहले, क्रिकेट खेल भारत में धीरे-धीरे प्रमुखता हासिल करने लगा था। 1884 में, श्रीलंका की एक टीम ने कोलकाता में एक मैच खेला, जो देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत का प्रतीक था।

भारत और पाकिस्तान के अभ्यास सत्र से एशिया कप के लिए बेताबी बढ़ी

दुबई, 7 सितम्बर। शाम सात बजे के कुछ ही देर बाद, आईसीसी अकादमी में सभी की निगाहें पाकिस्तान टीम के नेट एरिया पर टिक गईं। वे रविवार को शारजाह में अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ होने वाले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल से पहले अपने अंतिम प्रशिक्षण सत्र के लिए पहुंचे थे।

क्या भारत के साथ कोई क्रॉस-ओवर होगा, जो पहले से ही अपनी तैयारियों में व्यस्त था? क्या खिलाड़ी एक-दूसरे का अभिवादन करेंगे या दूरी बनाए रखेंगे? जो लोग इस पल को फिल्माने लायक होने की उम्मीद कर रहे थे, वे निराश हो गए क्योंकि दोनों टीमें अपनी-अपनी दिनचर्या में डटी रहीं। भारत का सत्र लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें उनके प्रत्येक विशेषज्ञ बल्लेबाज ने मैदान पर एक घंटे से अधिक समय बिताया, उसके बाद ऑलराउंडरों ने पैड पहनकर गेंद को सभी कोनों में मारा, जिससे यह नेट सत्र की तुलना में अधिक रेंज-हिटिंग साबित हुआ, जिसका उद्देश्य खिलाड़ियों को टच पाने में मदद करना था।

पाकिस्तान ने नेट एरिया में एक शांत कोने में किसी की नजरों से दूर बल्लेबाजी की। उन्होंने ऐसी सतहों पर तैयारी की जो टर्न और असमान उछाल दे रही थीं, शायद टीम रविवार को राशिद खान, एएम गजनफर और नूर अहमद के ख़िलाफ़ होने वाली चुनौतियों की तैयारियों में थी। नेट से दूर, शाहीन शाह अफरीदी ने कुछ कैच

लिए और हल्का वार्म-अप किया, जबकि हारिस रऊफ ने दौड़ लगाई। आईसीसी अकादमी में विभिन्न प्रकार की पिचें हैं, लगभग 40 पिचें जिनमें से अधिकांश एशियाई हैं, लेकिन कुछ ऐसी भी हैं जो वाका, गाबा जैसी उछाल वाली परिस्थितियों की तरह हैं और कुछ स्विंग और सीम प्रदान करती हैं, जिनका पिछले कुछ दिनों में 60 से अधिक खिलाड़ियों ने अच्छा उपयोग किया, जिनमें ओमान और हांगकांग के खिलाड़ी भी शामिल हैं। शनिवार को जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ, तब आयोजकों ने राहत की सांस ली। पाकिस्तान को रविवार को एक मैच खेलना था और भारत ने विश्राम का दिन घोषित कर दिया था।

शाम की शुरुआत भारत द्वारा 20, 40 और 60 मीटर की दूरी पर कोन्स के साथ ब्रोंको ड्रिल के साथ हुई। टीम पांच-पांच के तीन समूहों में बंट गई। ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स ने निर्देश दिए, सितांशु कोटक ने स्कोर बनाए रखा, जबकि मुख्य कोच गौतम गंभीर चीयरलीडर बने। यह अभ्यास परिणामों के बारे में नहीं था, बल्कि मैच के दिन की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने के बारे में था, अगर भारत हीट में पहले क्षेत्ररक्षण करता है। जैसे ही लाइटें पूरी तरह से जलीं, खिलाड़ी पूरी तरह से सेंटर विकेट नेट पर आ गए। शुक्रवार को तो सब कुछ आसान लग रहा था, लेकिन शनिवार का खेल और भी तीखा था, शायद हमें उन संयोजनों की भी झलक मिल गई जो धीरे-धीरे उभरने लगे हैं।

पहले दो दिनों के प्रदर्शन को देखते हुए, ऐसा लग रहा है कि जितेश शर्मा भारत के पहले पसंद के विकेटकीपर के रूप में संजू सैमसन पर थोड़ा भारी पड़ सकते हैं। शनिवार को उन्होंने लंबे समय तक बल्लेबाजी की और गंभीर ने नेट्स के पीछे से उन पर कड़ी नज़र रखी। एक समय तो ऐसा लगा कि उन्होंने जितेश को स्कूप और पिक-अप शॉट लगाने के उनके कुछ पूर्व-नियोजित प्रयासों के बारे में सलाह दी।

इस बीच, सैमसन ने शुरुआत में सिर्फ़ थ्रोडाउन लिया और दूसरे बल्लेबाजों को अपनी गति से खेलते हुए देखते रहे। हालांकि, सत्र समाप्त होने से ठीक पहले उन्होंने पैड पहने और गेंद को दूर और लंबी दूरी तक मारा। पुल, फ़्लैट-बैट और कुछ शॉट ऐसे थे जिनसे उन्हें कभी-कभी अपनी शेप खोने पर मुंह बनाना पड़ा।

कुल मिलाकर, ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे लगे कि कुछ गड़बड़ थी। उनकी टाइमिंग बहुत सटीक थी और गेंद की सटीक जगह पर लगने वाली आवाज के कारण बाउंड्री और उसके पार गश्त कर रहे खिलाड़ी बार-बार दौड़कर गेंद को आईसीसी अकादमी ओवल्स के बाहरी क्षेत्र में पहुंचा रहे थे, कुछ तो पाकिस्तान के प्रशिक्षण क्षेत्र में भी पहुंच रहे थे।

सैमसन के मैदान पर उतरने से बहुत पहले, अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल और तिलक वर्मा मैदान पर उतरे, उसके बाद सूर्यकुमार यादव, रिंकू सिंह और जितेश। अगले 90 मिनट तक, उन्हें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों का सामना करना पड़ा। इसके बाद स्थानीय नेट गेंदबाज़ों की एक टोली आई, जिसमें तीन कलाई के स्पिनर और दो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शामिल थे और सभी को पूरी ताकत से गेंदबाजी करने का निर्देश दिया गया। भारत के दो थ्रोडाउन विशेषज्ञ समय-समय पर गेंदबाजी में शामिल होते रहे और जब भी सत्र में गति की जरूरत पड़ी, गति बढ़ा दी गई। भारत ने रात 9 बजे के आसपास चार घंटे का प्रशिक्षण सत्र पूरा किया। रविवार को विश्राम का दिन है, क्योंकि भारतीय टीम को 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के ख़िलाफ एशिया कप के अपने पहले मैच से पहले दो और सत्र खेलने हैं।

एशिया कप 2025 : भारत-पाक दोनों देशों के बीच होगा मैच : सैकिया

नई दिल्ली, 7 सितंबर। दो दिन में एशिया कप 2025 का आगाज होने जा रहा। इसी कड़ी में भारत को पाकिस्तान के साथ 14 सितंबर को मैच खेलना है। इस मैच को लेकर भारत में कई लोग नाराज हैं और इस मैच को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। वहीं अब इस मैच को लेकर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का जवाब आया है। सैकिया ने साफ कर दिया है कि, सरकार ने मल्टीनेशंस इवेंट में हमें उन देशों के साथ खेलने से नहीं रोका है जिनके साथ भारत के संबंध मैत्रीपूर्ण नहीं है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव का ये बयान तब आया है जब भारत के पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने पर सवाल उठ रहे हैं।

बता दें कि, पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध अब तक के सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। वैश्विक आयोजनों में पाकिस्तान का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है। भारत और पाकिस्तान 14 सितंबर को दुबई में आमने-सामने होंगे। केंद्र सरकार ने इस महीने की शुरुआत में साफ कर दिया था कि भारतीय खिलाड़ी बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ खेल सकते हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय खेल संबंध स्थापिक नहीं होंगे।

बीसीसीआई सचिव ने कहा कि, बोर्ड सरकार के द्वारा निर्धारित किए गए दिशानिर्देशों का पालन करेगा और एशिया कप में पाकिस्तान के साथ खेलेगा। इस बयान को इस विवाद पर बोर्ड के अंतिम फैसले के रूप में देखा जा रहा है जिससे फैंस में एक खट्टा-मीठा एहसास है। देवजीत सैकिया ने कहा कि जहां तक बीसीसीआई का सवाल है हमें केंद्र सरकार जो भी आदेश दिया जाता है हमें उनका पालन करना होता है।

उन्होंने आगे कहा कि, हाल ही में हमारी जो नीति बनी है उसके मुताबिक भारत किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट या अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले सकता है। केंद्र सरकार ने इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है कि हम किसी ऐसे देश के साथ खेलें जिसके साथ भारत के अच्छे संबंध नहीं हैं। इसलिए भारत को किसी भी बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में सभी मैच खेलने होंगे। चूंकि आईसीसी कप एक बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जिसमें एशिया महाद्वीप के देश शामिल होते हैं, इसलिए हमें इसमें खेलना होगा।

श्रेयस अय्यर नहीं बनेंगे टीम इंडिया के वनडे कप्तान

नई दिल्ली, 7 सितंबर। पिछले कई दिनों से भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे कप्तान को लेकर कई चर्चाएं चल रही हैं। कई रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि, बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को नया वनडे कप्तान बना सकती है। लेकिन अब इसमें एक नया मोड़ आया है, दरअसल, ताजा रिपोर्ट के मुताबिक एक और खिलाड़ी है जो रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी हासिल कर सकता है।

रोहित शर्मा मौजूदा समय में वनडे कप्तान है। जबकि टी20 की कमान सूर्यकुमार यादव और टेस्ट की कमान शुभमन गिल के कंधों पर है। ऐसे में ताजा रिपोर्ट में दावा गिया गया है कि शुभमन गिल भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं। कुछ रिपोर्ट्स में पहले दावा किया गया था कि श्रेयस अय्यर भारत के अगले वनडे कप्तान हो सकते हैं लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कंफर्म किया था कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। ये लगभग तय है कि समय आने पर शुभमन गिल ही रोहित शर्मा की जगह वनडे में कप्तान होंगे। रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि वनडे कप्तान के लिए कोई और दावेदार नहीं बल्कि शुभमन गिल ही सभी फॉर्मेट की कप्तानी संभालेंगे।

बता दें कि, शुभमन गिल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के उपकप्तान थे। वहीं वह आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम के कप्तान भी हैं। हाल ही में उन्हें टेस्ट की कमान भी सौंपी गई। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद गिल को भारत की टेस्ट टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने इंग्लैंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया और पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबर की।

साउथ और सेंट्रल जोन के बीच होगी दलीप ट्रॉफी में खिताबी भिड़ंत

बेंगलुरु, 7 सितम्बर। साउथ जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी के फाइनल में खिताबी भिड़ंत होगी। गुरजपनीत सिंह (चार विकेट) और एम डी निधीष (तीन विकेट) के बाद नारायण जगदीशन (नाबाद 52) के शानदार प्रदर्शन के दम पर साउथ जोन ने 270 रनों की बड़ी बढ़त के साथ रविवार को ड्रॉ हुए पहले सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन के खिलाफ रविवार को दलीप ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली। वहीं छह बल्लेबाजों शुभम शर्मा (96), दानिश मालेवर (76), कप्तान रजत पाटीदार (77), उपेंद्र यादव (87), हर्ष दुबे (75) और सारांश जैन (63) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से बनाये गये 600 रनों के विशाल स्कोर साथ फाइनल में जगह बना ली। आज यहां सेमीफाइनल के चौथे दिन नॉर्थ जोन ने कल के पांच विकेट पर 278 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में वासुकी कौशिक ने शतकवीर शुभम खजुरिया (128) को बोल्ड कर नॉर्थ जोन को छठा झटका दिया। इसके बाद एम डी निधीष ने साहिल लूथरा (19) और मयंक डागर (31) को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। युद्धवीर सिंह चरक (सात) को तनय त्यागराजन ने अपना शिकार बनाया। गुरजपनीत सिंह ने आकिब नबी (10) को आउटकर 100.1 ओवर में 361 के स्कोर पर नॉर्थ जोन की पारी का अंत कर दिया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने 34 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल (13) का विकेट गंवा दिया।इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने नारायण जगदीशन के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 61 रनों की अविजित साझेदारी हुई।

विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया), 7 सितंबर। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने फ्रांस को 235-233 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह पहला मौका है जब भारत ने पुरुष कम्पाउंड टीम स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीता है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की शुरुआत थोड़ी कमजोर रही और वे पहले सेट में 57-59 से पीछे हो गए। हालांकि इसके बाद टीम ने शानदार वापसी की और हर सेट में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए फ्रांस की चुनौती को 235-233 से खत्म किया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया को शूट-ऑफ में मात दी, क्वार्टर फाइनल में अमेरिका को 234-233 से हराया और सेमीफाइनल में तुर्की पर 234-232 से जीत दर्ज की। भारत के युवा तीरंदाज ऋषभ यादव ने अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। 23 वर्षीय ऋषभ ने क्वालिफिकेशन में 709 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया और मिश्रित टीम स्पर्धा में भी दमदार खेल दिखाया। उन्होंने भारत की शीर्ष कम्पाउंड महिला तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम के साथ जोड़ी बनाकर मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत जीता। दोनों ने जर्मनी, अल सल्वाडोर और चीनी ताइपे को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारतीय जोड़ी ने शुरुआती बढ़त बनाई और पहले सेट के बाद 39-38 से आगे भी रहे, लेकिन आखिरकार मुकाबला 155-157 से हारकर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। ज्योति सुरेखा वेन्नम के लिए यह दूसरा मिश्रित टीम स्पर्धा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2021 यैंकटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में अभिषेक वर्मा के साथ भी मिश्रित टीम में रजत पदक जीता था। हालांकि, महिला टीम स्पर्धा में भारतीय चुनौती जल्दी खत्म हो गई।

अनिसिमोवा को मात देकर सबालेंका ने जीता यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने फ्लशिंग मीडोज के हार्ड कोर्ट पर अपना दबदबा कायम करते हुए अमांडा अनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब जीता। शनिवार रात खेले गये मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने फाइनल मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6(3) से हराकर अपने खिताब को बरकरार रखा। इस जीत के साथ बेलारूसी खिलाड़ी सबालेंका 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद न्यूयॉर्क में लगातार दो एकल खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। 27 वर्षीय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलैंड गैरोस दोनों के फाइनल में हारने के बाद दबाव में चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में मैच में उतरी थीं। लेकिन उन्होंने मौके का फायदा उठाया और अथक शक्ति और संयम का प्रदर्शन करते हुए 2025 की

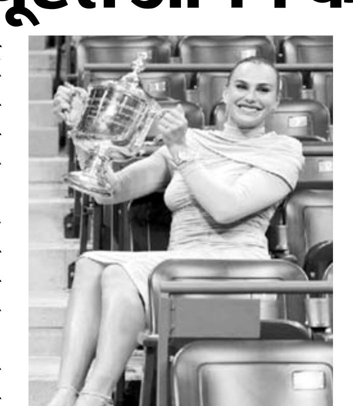

अपनी पहली और अपने करियर की चौथी बड़ी ट्रॉफी जीती। यह जीत ग्रैंड स्लैम स्तर पर उनकी 100वीं मुख्य ड्रॉ मैच जीत और इस सीजन की उनकी 56वीं जीत भी है।

बेसलाइन से सबालेंका के जोरदार प्रहारों का मुकाबला करते हुए, 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने गत चैंपियन को शुरुआत में ही परेशान किया, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर की गई गलतियां उसके लिए महंगी साबित हुईं। शुरुआती सेट में पांच बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन सबालेंका ने 5-3 के स्कोर पर अपनी लय बनाए रखी और सेट को केवल 38 मिनट में ही समाप्त कर दिया, क्योंकि अनिसिमोवा का फोरहैंड बाहर चला गया था।

दूसरे सेट में अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी की और 5-4 के स्कोर पर सबालेंका की सर्विस के दौरान लड़खड़ाने का फायदा उठाया, जिससे उनका नियमित ओवरहेड नेट में चला गया। इससे अनिसिमोवा ने सर्विस ब्रेक की और टाईब्रेकर कराया। हालांकि, सबालेंका ने वह परिपक्वता दिखाई जिसका श्रेय वह अक्सर पिछली निराशाओं से सीखे गए सबक को देती हैं और मैच को अपने तीसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर पहुंचाया। खिताब जीतने के बाद सबालेंका कहा, जब आप सबसे बड़े टूर्नामेंटों में से एक का फाइनल हार जाते हैं और तुरंत मीडिया के पास जाते हैं, तो आप निराश और भावुक हो जाते हैं। उन पलों ने मुझे और भी अधिक मजबूत बनना सिखाया।

विश्व मुक्केबाजी : लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल, 7 सितंबर। भारत के लक्ष्य चाहर ने रविवार को लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में जॉर्डन के हुसैन इयाश को हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम 16 में प्रवेश किया। लक्ष्य ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक तरीके से की, लेकिन जॉर्डन के खिलाड़ी ने दूसरे राउंड में अंतर कम कर लिया। हालाँकि, भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे राउंड में वापसी करते हुए 5-0 से शानदार जीत हासिल की। इससे पहले, पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में पवन बर्तवाल का अभियान उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक से 0-5 से हारकर समाप्त हो गया। भारत ने मुक्केबाजी के लिए हाल ही में गठित अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय, विश्व मुक्केबाजी के तत्वावधान में आयोजित होने वाली पहली विश्व चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय दल उतारा है।

बेथेल और रूट के शतक, इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को दिया 415 रनों का लक्ष्य

साउथैंप्टन, 7 सितंबर। जेकब बेथेल (110), जो रूट (100) की शानदार शतकीय तथा जेमी स्मिथ (62) और जॉस बटलर (नाबाद 62) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 415 रनों का लक्ष्य दिया।

आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने पहले विकेट के लिए 59 रन जोड़े। नौवें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने बेन डकेट (31) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जो रूट ने जेमी स्मिथ के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़े। 17वें ओवर में केशव महाराज ने जेमी स्मिथ को आउटकर पवेलियन भेज दिया। जेमी स्मिथ ने 48 गेंदों

में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए 62 रन बनाये। इसके बाद जेकब बेथेल ने जो रूट के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 182 रनों की साझेदारी हुई।

अपना शतक पूरा करने के बाद आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे जेकब बेथेल को 41वें ओवर में केशव महाराज ने अपना शिकार बना लिया। बेथेल ने 82 गेंदों में 13 चौके और तीन छक्के लगाते हुए 110 रनों की पारी खेली। इसके बाद कप्तान हैरी ब्रूक (तीन) रनआउट होकर पवेलियन लौट गये। 47वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने जो रूट को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को पांचवीं सफलता दिलाई। जो रूट ने 96 गेंदों में छह चौके लगाते हुए 100 रन बनाये।

इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 414 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जॉस बटलर ने 32 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 62 रनों की पारी खेली। विल जैक्स आठ गेंदों में 19 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कॉर्बिन बॉश और केशव महाराज ने दो- दो विकेट लिये।

48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप के मेडल सेरेमनी का आयोजन

जयपुर, 7 सितम्बर। 48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप राईफल/पिस्टल/शॉटगन 2025 का आयोजन दिनांक 30.08.2025 से 07.09.2025 तक ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर पर किया गया।

आज 48वीं उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैम्पियनशिप राईफल / पिस्टल 2025, 10 मीटर, 25 मीटर, 50 मीटर एवं शॉटगन इवेन्ट्स की मेडल सेरेमनी का आयोजन ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान के युवा मामले एवं खेल विभाग मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड उपस्थित रहे। राजस्थान राईफल एसोसिएशन के आयोजनकर्ता यज्ञिमत्र सिंहदेव (अध्यक्ष) गिरधर प्रताप सिंह, (उपाध्यक्ष) और शशाक कोरानी (सचिव) तथा यू.पी. स्टेट राईफल एसोसिएशन अध्यक्ष, श्याम सिंह यादव पूर्व सांसद लोकसभा तथा जी.एस. सिंह, सचिव, यू.पी. स्टेट राईफल एसोसिएशन, लखनऊ तथा अन्य अतिथिगण भूपेन्द्र सिंह यादव, सेवानिवृत्त आईपीएस पूर्व डीजीपी राजस्थान, पूर्व अध्यक्ष राजस्थान पब्लिक कमीशन, सुरेश्वर सिंह, विधायक उत्तरप्रदेश विधानसभा, बहराईच, महेन्द्र यादव, अध्यक्ष, राजस्थान यादव महासभा, अशोक मित्तल, अध्यक्ष हरियाणा राईफल एसोसिएशन एवं ज्वाईन्ट सैक्रेटरी ऑफ नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली भी उपस्थित रहे।

टी-20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा पाक

इस्लामाबाद, 7 सितम्बर। नवंबर में पाकिस्तान टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान की मेजबानी करेगा। 17 नवंबर को शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में सभी टीमें एक दूसरे ख़िलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। पहले दो मुकाबले रावलपिंडी में खेले जाएंगे जबकि अगले पांच मुकाबलों सहित फाइनल का आयोजन 29 नवंबर को लाहौर में होगा। यह इस सीजन में दूसरी बार है जब वास्तविक रूप से एक द्विपक्षीय सीरीज टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हुई है। पहले अगस्त में अफ़ग़ानिस्तान को तीन टी20 मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन बाद में यह सीरीज पाकिस्तान और यूएई को साथ लेकर टी20 त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई, जिसका फाइनल 7 सितंबर को अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच खेला जाना है। इसी तरह श्रीलंका को पाकिस्तान के ख़िलाफ तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबलों की द्विपक्षीय सीरीज खेलनी थी लेकिन अब टी20 सीरीज त्रिकोणीय सीरीज में तब्दील हो गई है। ईएसपीएन क्रिकइंफो को पता चला है कि द्विपक्षीय टी20 सीरीज नहीं खेली जाएगी लेकिन वनडे सीरीज का कार्यक्रम आने वाले समय में जारी किया जा सकता है।

आखिरी क्षणों की पेनल्टी से भारत को कतर से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा

दोहा, 7 सितंबर। एएफसी अंडर-23 एशियाई कप 2026 के लिए जल्दी क्वालीफाई करने की भारत की उम्मीदों पर कल रात पानी फिर गया जब ब्लू कोल्ट्स को दोहा के अब्दुल्ला बिन खलीफा स्टेडियम में मेजबान कतर के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता

गुजरात के कर्त्तव्य आनंदकांत चैम्पियन

जयपुर, 7 सितम्बर। द्वितीय रॉयल जयपुर ओपन फिडे रेटेड रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 2025 ने दो दिनों तक रोमांचक रणनीति और कौशल की जंग देखी। अंतिम क्षणों तक चले कड़े मुकाबलों में गुजरात के कर्तव्य आनंदकात ने चैम्पियन ट्रॉफी अपने नाम की। महाराष्ट्र के श्रायन मजूमदार उपविजेता रहे जबकि हरियाणा के एफएम गर्व गौर ने शानदार प्रदर्शन कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

जयपुर में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि अशोक परनामी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में आर.के. सिंह, सीईओ लोटस डेयरी तथा नितिन बखरु, एमडी ज्वेल्स रिज़ॉर्ट्स शामिल रहे। साथ ही अशोक भार्गव, सचिव, आशा भार्गव, अध्यक्ष जे.डी.सी.ए. मधु मेहता, कोषाध्यक्ष जे.डी.सी.ए., अमरीश जोशी, सीओओ वेव्स तथा रवि बजाज, रॉयल जयपुर चेस क्लब भी समारोह में उपस्थित रहे। यह जानकारी डॉ. जयेंद्र चतुर्वेदी, प्रतियोगिता के आयोजन सचिव ने दी।

विशेष रेटिंग व श्रेणी पुरस्कारों में - 1401-1650: सिद्धांत चतुर्वेदी (राजस्थान-जयपुर) प्रथम रहे। 1651-1900: प्रखर त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश)

विजेता बने। अनरेटेड: दक्ष जैन (जयपुर) ने बाजी मारी।

महिला वर्ग: याशिका चौधरी (राजस्थान) प्रथम स्थान पर रहीं। वेटरनर (60): वाई.पी. श्रीवास्तव (बिहार) विजेता बने।

सर्वश्रेष्ठ राजस्थान खिलाड़ी: रुद्रदमन मेड़तिया (जयपुर)। सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग: अमरजीत कुमार (बिहार)। सर्वश्रेष्ठ जयपुर खिलाड़ी: भव्य गुप्ता (जयपुर)। सर्वश्रेष्ठ विद्यालय: सेंट एंसलेम मानसरोवर। इसके साथ ही 100 से अधिक पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें अंडर-16, अंडर-14, अंडर-12, अंडर-10 और अंडर-8 वर्ग के विजेताओं को आकर्षक ट्रॉफियों से सम्मानित किया गया। सचमुच यह शतरंज प्रेमियों का एक उत्सव रहा।

राजस्थान राज्य सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता : फाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

अलवर, 7 सितम्बर। राजस्थान तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में अलवर तीरंदाजी संघ द्वारा आयोजित राजस्थान सीनियर राज्य तीरंदाजी प्रतियोगिता का सफल आयोजन राफेल यूनिवर्सिटी मैदान, नीमराना में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेशभर से आए प्रतिभाशाली तीरंदाजों ने हिस्सा लिया, जिनमें 40 से अधिक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल रहे।

आज खेले गए रोमांचक फाइनल मुकाबलों में अलग-अलग वर्गों में चैंपियन रहे -

रिकर्व पुरुष वर्ग - कृष कुमार (बाड़मेर), रिकर्व महिला वर्ग - खुशी

कुमावत, कंपाउंड पुरुष वर्ग - रजत चौहान, कंपाउंड महिला वर्ग - प्रिया गुर्जर, इंडियन राउंड पुरुष वर्ग - नवीन कुमार (हनुमानगढ़)। इंडियन राउंड महिला वर्ग - प्रियंका (सीएसटी फाउंडेशन)। खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचित कर दिया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि बबीता शर्मा ने कहा कि इस स्तर के खेल आयोजन खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ शहर के विकास के लिए भी शुभ संकेत हैं। विशेष अतिथि शंशाख भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा खेल अनुशासन और लक्ष्य साधना सिखाते हैं, जो जीवन में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।

इस अवसर पर राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर, जिला तीरंदाजी संघ अलवर के अध्यक्ष संजीव गर्ग, प्रतियोगिता ऑब्जर्वर अनिल जोशी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में टेक्निकल ऑफिशियल्स का सम्मान भी किया गया। निर्णायक मंडल में प्रगति चौधरी, प्रताप बेनीवाल, बंशी वर्मा, मनीष नागा और दीपांशु व्यास शामिल रहे।

मुख्यमंत्री सोमवार को अतिवृष्टि वाले जिलों की समीक्षा बैठक लेंगे

प्रभारी मंत्रियों व सचिवों की रिपोर्ट पर विचार कर राहत की कार्ययोजना तय होगी

जयपुर, 07 सितंबर। प्रदेश में हाल ही में हुई अतिवृष्टि से प्रभावित जिलों में आमजन को हुए नुकसान की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में सभी जिला प्रभारी मंत्रियों एवं जिला प्रभारी सचिवों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे।

मुख्यमंत्री इस अहम बैठक में धरातल की स्थिति का सीधा फीडबैक लेंगे। बैठक में अतिवृष्टि से प्रभावित जिलों की स्थिति का आकलन किया जाएगा तथा प्रभावित लोगों को राहत के लिए कार्ययोजना तय होगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर गत तीन दिनों की अवधि में सभी जिला प्रभारी मंत्रियों और सचिवों ने अपने-अपने प्रभार के जिलों का दो दिवसीय दौरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

कर अतिवृष्टि से उत्पन्न परिस्थितियों का जायजा लिया है और प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविक स्थिति का आकलन कर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। इस दौरान जिला प्रभारी मंत्रियों ने आमजन से संवाद किया और वहाँ की परिस्थितियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। इन दौरों में प्राप्त तथ्य और आकलन की जानकारी समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

> ■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी मंत्रियों और सचिवों के अपने प्रभार वाले जिलों का दो दिन दौरा कर अतिवृष्टि से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने भेजा था। मंत्रियों व सचिवों की रिपोर्ट बैठक में पेश होगी।**

रूस का हमला: यूक्रेन के सरकारी भवन में आग लगी

कीव, 07 सितंबर। रूस के ड्रोन हमलों के कारण यूक्रेन की राजधानी कीव में एक सरकारी इमारत में आग लग गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम पर लिखा कि वायु रक्षा द्वारा एक ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद आग लगी। प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने टेलीग्राम पर कहा, "पहली बार, किसी सरकारी इमारत उसकी छत और ऊपरी मंजिलों को नुकसान पहुँचा है।" उन्होंने आगे कहा, "बचाव दल आग बुझा रहे हैं।" राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि हमलों में कम से कम दो लोग मारे गए और 18 अन्य घायल हो गए। कीव के स्वियातोशिन्स्की ज़िले में एक नौ मंजिला अपार्टमेंट इमारत हमलों में आंशिक रूप से नष्ट हो गई।

> ■ **यूक्रेन की राजधानी कीव के मेयर ने कहा कि पहली बार किसी सरकारी इमारत की छत और ऊपरी मंजिलों को नुकसान पहुँचा।**

ढाई घंटे की वर्षा से जालोर की कई कॉलोनियां जलमग्न हुईं

जालोर -आहोर व महेशपुरा मार्ग बंद, बांकली बांध, बांडी सिणधरा, वणधर में पानी पूरा भरा

जालोर, 7 सितम्बर (का.सं.)। जिलेभर में शनिवार देर शाम मूसलाधार बारिश होने से सड़कों पर तेज बहाव से पानी बहना शुरु हो गया। जवाई बांध के एक साथ आठ गेट खोलने के बाद रविवार अलसुबह सांकरना पुल के ऊपर जवाई नदी बहती नजर आई।

जालोर में रविवार सुबह तक 202 मिमी (आठ इंच), आहोर में 102 मिमी, भीनमाल मे 50 मिमी, जसवंतपुरा में 56 मिमी, रानीवाडा 95 मिमी, सांचोर 210 मिमी, बागोड़ा में 101 मिमी, सायला में 79 मिमी, चितलवाना में 201 मिमी बारिश दर्ज की गई। जालोर शहर के तिलक द्वार, बड़ी पोल, लालपोल से पानी पूरे वेग के साथ बहता नजर आया। आहोर चौराहा से कॉलेज तिराहा तक पानी की निकासी नहीं होने से कॉलेज की दीवार धराशायी हो गई और पानी कॉलेज परिसर में घुस गया जिससे पेड़ गिर गये। साथ ही सड़क उधड़ जाने से काफी नुकसान हुआ। कॉलेज के पास सड़क का काम अधूरा होने से खड्डे में कई वाहन फंस गये। सेंट पाल स्कूल के पास की कॉलोनी, सुंदेलाव तालाब के पीछे की कॉलोनियां जलमग्न हो गईं। मूसलाधार बारिश के कारण जवाईबांध में पानी की लगातार आवक होने के कारण शनिवार को एक साथ 8 गेट खोले गए जिससे जालोर की जवाई नदी पूरे उफान पर नजर आई। सांकरना जवाई नदी अलसुबह पुल के ऊपर गुजरी। जवाई बांध ओवरफ्लो होने से शाम 5 बजे तक गेट नंबर 2,4 व 10 से एक-एक फीट पानी बह रहा था। जवाई नदी मे पानी की आवक तेज होने से जालोर आहोर मार्ग , महेशपुरा मार्ग बंद रहा। जालोर में मूसलाधार बारिश के चलते कई स्थान टापू में तब्दील हो गए। तेज बारिश के चलते बांकली बांध, बांडी सिणधरा, वणधर सहित सभी बांधों में पानी पूरी क्षमता से भर रहा है। वहीं कई जगह नालों व नदी में पानी आने से गांवों का सम्पर्क कट गया।

> ■ **सांकरना जवाई नदी आज सुबह पुल के ऊपर से बही, जालोर के तिलक द्वार, बड़ी पोल, लाल पोल में पानी सड़क पर तेज गति से बहा।**

खड़गे ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खड़गे ने ... (प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरगे ने रूस को एक दीर्घकालिक साझेदार मानते हुए इस बात पर बल दिया कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र, व्यावहारिक और राष्ट्रीय हित पर आधारित होनी चाहिए न कि निजी स्वार्थों या चुनाव के समय की बयानबाजी से प्रभावित होनी चाहिए।

दिल्ली भाजपा ने 52 ट्रक राहत सामग्री पंजाब भेजी

प्रदेश कार्यालय से ट्रक रवाना करते समय दिल्ली सरकार के सभी मंत्री व सभी पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे

> ■ **जालंधर भेजे गये ट्रकों में दैनिक इस्तेमाल में आने वाली सामग्री, रसोई घर में काम आने वाली सामग्री, कंबल, मच्छरदानी व दवाइयां भेजी गई हैं।**

नयी दिल्ली, 07 सितंबर। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री रवाना की।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री ले जा रहे 52 ट्रकों को पार्टी प्रदेश कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर दिल्ली सरकार के सभी मंत्री और पार्टी के तमाम पदाधिकारी मौजूद थे।

पंजाब के जालंधर के लिए रवाना हुए ट्रकों पर बाढ़ पीड़ितों के दैनिक इस्तेमाल में आने वाली सामग्री, जैसे चारपाइयां, रसोई घर में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, कंबल, मच्छर दानी और दवाइयां थीं। पहले ये ट्रक जालंधर जाएंगे और फिर वहां से भाजपा कार्यकर्ता बाढ़ ग्रस्त विभिन्न इलाकों में जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाएंगे।

इस मौके पर दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि पंजाब इस समय मुसीबत में है। बाढ़ के कारण फसलें बर्बाद हो गई है। कई गांवों में भारी तबाही मची है। ऐसे समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्य की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने पंजाब के हालात का जायजा लेने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को वहां भेजा था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी लगातार पंजाब की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं।

सचदेवा ने कहा, मुख्यमंत्री के कल पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से बात कर हालात की जानकारी ली थी तथा बाढ़ पीढ़ितों की सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच करोड़ रुपये की राशि दी थी।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब के हालात के मद्देनजर दिल्ली भाजपा ने वहां दैनिक इस्तेमाल में आने वाली सामग्री को भेजने का निर्णय लिया। आज 52 ट्रक इन सामानों को लेकर रवाना हो रहे हैं। हम आने वाले दिनों में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए और सामान भेजेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा हम एक ही परिवार हैं, और जब पंजाब संकट में है तो दिल्ली उसका दर्द बाँटने के लिए उसके साथ खड़ी है। सभी मंत्रियों, अधिकारियों और स्वयंसेवकों का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ जिन्होंने इतने कम समय में भोजन सामग्री से लेकर हर आवश्यक वस्तु की व्यवस्था सुनिश्चित की।

उन्होंने कहा, मैंने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से भी बात की है और उन्हें आश्वस्त किया है कि इस कठिन घड़ी में दिल्ली पंजाब के लिए हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। दुख की घड़ी में पूरा देश एक परिवार की तरह हर पंजाब वासी के साथ खड़ा है।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया। उन्होंने कहा कि सांसद महीने में एक बार अपने क्षेत्र में साधारण तरीके से लोगों के साथ बैठें, टिफिन साथ खाएं, बातचीत करें और उनकी समस्याएं सुनें। इससे लोगों का भरोसा बढ़ेगा और योजनाओं के लाभ सीधे उन तक पहुंच पाएंगे।

यमुना का पानी कॉलोनियों, बस्तियों व गांवों में घुसा

आगरा में यमुना का जलस्तर खतरे के लेवल के ऊपर पहुंचा

आगरा, 07 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में यमुना नदी उफान पर है, वाटर वर्क्स पर नदी का जलस्तर खतरे के निशान, पांच सौ मीटर को पार कर गया है।

यमुना में का पानी नदी किनारे बसी कालोनियों, बस्तियों और गांवों में घुस चुका है। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं। निचले इलाकों के निवासियों के लिए बाढ़ शरणालयों की स्थापना की गई है। यमुना किनारे की डेढ़ दर्जन कॉलोनियों में पानी भर गया है। जिला प्रशासन ने घाटों के निकट बैरीकेडिंग करा दी है। लोगों से नदी की तरफ नहीं जाने के लिए अनुरोध किया जा रहा है। लोगों से जरूरी दस्तावेज, खाने का कुछ सामान सहित अन्य वस्तुएं अपने पास रखने की अपील की गई है। सिंचाई विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रविवार की दोपहर दो बजे तक वॉटर वर्क्स पर यमुना नदी का जलस्तर बढ़ कर 500.01 फीट हो गया। इसमें बढ़ोत्तरी जारी है। यहां अलर्ट का लेवल 496.71 फीट, खतरे का लेवल 500 फीट और हाई फ्लड लेवल 507.74 फीट पर है।

> ■ **प्रशासन ने घाटों के निकट बैरीकेडिंग करके लोगों से नदी के पास नहीं जाने की अपील की।**

जापान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा देने की इच्छा जताई

टोकियो, 07 सितंबर। जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) को और विभाजन से बचाने के लिए इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके ने यह जानकारी दी।

गौरतलब है कि इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन के चुनाव (हाउस ऑफ काउंन्सलर्स) में हार गई थी। इसके लिए इशिबा ने माफी भी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफा पर विचार करेंगे। फैसला पार्टी द्वारा 8 सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव कराने पर निर्णय लेने से ठीक एक दिन पहले आया है। युद्धोत्तर जापान में 1955 में अपनी स्थापना के बाद से प्रमुख राजनीतिक ताकत रही एलडीपी का अध्यक्ष लगभग हमेशा देश का प्रधानमंत्री बनता है क्योंकि पार्टी के पास संसद में सबसे ज्यादा सीटें होती हैं। अभी तक यही देखा गया है कि जब भी कोई एलडीपी अध्यक्ष इस्तीफा देता है।

ग्रामीणों ने घग्घर के तटबंद बचाने के लिए कट्टे लगाये

सिरसा जिले में प्रशासन ने जेसीबी व पोकलेन मशीनें भी व्यवस्था में उतारी

सिरसा, 07 सितंबर। हरियाणा में सिरसा जिला प्रशासन व ग्रामीण घग्घर नदी के बढ़ते जलस्तर और तटबंधों की सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। कुल 24 टीमें सेक्टर वाइज निरंतर निगरानी कर रही हैं। बुर्जकर्म गढ़ गांव के पास शनिवार को टूटे घग्घर के तटबंध को पाटने के लिए सैकड़ो ग्रामीण जुटे हुए हैं। इस तटबंध के टूटने से हजारों एकड़ में खड़ी फसल डूब गई है।

तटबंध को मजबूत करने के लिए मिट्टी के कट्टे लगाए जा रहे हैं, साथ ही जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से तटबंधों की मजबूती सुनिश्चित की जा रही है। बारिश के बावजूद टीमें लगातार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में जुटी हैं। टीमें ग्रामीणों के साथ लगातार संवाद बनाए हुए हैं और बिजली व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवा रही हैं। उपायुक्त शांतनु शर्मा, जो स्वयं स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं,ने बताया कि वर्तमान में जिला सिरसा में घग्घर नदी के मुख्य तटबंध पूरी तरह सुरक्षित हैं और नागरिकों को घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। रविवार दोपहर तक सरदूलगढ प्वाइंट पर घग्गर का जल स्तर 42900 क्यसैक और वहीं ओटू वीयर डाउन स्ट्रीम में 27550 क्यसैक रहा।

> ■ **बुजकर्म गढ़ गांव के पास शनिवार को घग्घर का तटबंद टूटने से हज़ारों एकड़ में खड़ी फसल डूब गई।**

ओडिशा में मानव हाथी संघर्ष बढ़ा

भुवनेश्वर, 07 सितंबर। ओडिशा में इंसान और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ता जा रहा और जंगली इलाकों में रहने वाले ग्रामीण, हाथियों के झुंड से बचने के लिए पेड़ों की चोटी पर बने अस्थायी लकड़ी के मचानों पर रातें बिताने के लिए मजबूर हैं।

खनन, औद्योगिकीकरण, बुनियादी ढ ांचा परियोजनाओं और कई मानव निर्मित हस्तक्षेपों की वजह से हाथियों के पारंपरिक आवास क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं इसलिए मानव बस्तियों में हाथियों की दखलंदाजी अब एक दैनिक घटना बन गयी है।

30 जिलों में से 26 जिलों में हाथियों के आवास क्षेत्र हैं जहां इन हाथियों का ग्रामीणों के साथ टकराव बढ़ रहा और आसपास के गांवों वालों की जान और संपत्ति को खतरा पैदा हो रहा। जैसे-जैसे जंगलों में शाम ढ लती है, संघर्ष क्षेत्रों में लोग सीढ़ि यों के साथ बने अस्थायी मचान पर रहने चले जाते हैं। 2,098 हाथियों की आबादी वाला ओडिशा अब स्पष्ट रूप से इनके आवास क्षेत्रों को बचाए रखने में विफल साबित हो रहा। अपने निवास स्थानों के नष्ट होने से हाथी गांवों की ओर रुख कर रहे हैं और फसलों को रौंद रहे। साथ ही ग्रामीण लोगों पर हमला कर रहे है।

> ■ **हाथियों का आवास क्षेत्र कम हो रहा है तथा जंगली इलाकों में रहने वालों को रात को पेड़ों के ऊपर बने मचानों पर रात बितानी पड़ रही है।**

दस लाख का ईनामी नक्सली मुठभेड़ में मारा गया

रांची, 07सितम्बर। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बुर्जुवा पहाड़ी पर आज सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ में माओवादी का ज़ोनल कमांडर अमित हांसदा मारा गया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस मुठभेड़ में 10 लाख रुपये का इनामी भाकपा माओवादी के ज़ोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन को सुरक्षाबलों ने ढ`र कर दिया। अमित हांसदा झारखंड के बोकारो जिले का रहने वाला था और माओवादी संगठन में उसकी पैठ काफी मजबूत मानी जाती थी। मुठभेड़ की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और कोबरा बटालियन ने संयुक्त रूप से इलाके में सर्च अभियान चलाया। तलाशी के दौरान अमित हांसदा का शव और एक एसएलआर राइफल समेत कई हथियार बरामद किए गए। इससे पहले नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर अचानक फायरिंग कर हमला किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उन्हें घेर लिया।

सचिन पायलट ने सांवलिया सेठ मंदिर में जन्मदिन मनाया

हजारों कार्यकर्ता बधाई देने आये, पायलट ने ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाने का आव्हान किया

चित्तौड़गढ़, 7 सितम्बर। सचिन पायलट ने आज अपने 48 वें जन्मदिन पर चित्तौड़गढ़ के श्री सांवलिया सेठ जी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा देश एवं प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्री सांवलिया सेठ जी मंदिर प्रांगण में सचिन पायलट को जन्मदिन की बधाई देने के लिए हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ा।

इस मौके पर सचिन पायलट ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जाहिर करते हुए युवाओं को नशे की गिरफ्त में आने से रोकने का आ ान किया और युवाओं को "युद्ध ड्रग्स के विरुद्ध" संकल्प नारा भी दिया।

सचिन पायलट ने कहा कि हमारे समाज में एक ऐसी मुश्किल समस्या है जिसका समाधान हमें करना पड़ेगा। पायलट ने कहा, जब मैं देखता हूं कि गाव- शहर में छोटे-छोटे बच्चे 14 साल के बच्चे नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं तो मुझे बहुत पीड़ा होती है। बच्चों को नशे की गिरफ्त से निजात दिलाने के लिए हमें दलगत राजनीति, जाति, धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठकर लोगों को बचाना होगा।

पायलट ने कहा कि हमें अपने संसाधन लगाने पड़ेंगे, जागरूकता पैदा करनी पड़ेगी। स्कूल-कॉलेज में जाकर बच्चों को जागरूक करना होगा। अगर हम आज नहीं समझे, तो आने वाली पूरी पीढ़ी नष्ट हो जाएगी। अगर आने वाली पीढ़ी ही सही नहीं होगी, तो यह सब बेकार हो जाएंगे। इसलिए नशे की लत के खिलाफ देश में बड़ा अभियान चलना चाहिए।

पायलट ने अपने पिता स्व राजेश पायलट जी को भी याद करते हुए कहा कि मैंने अपने पिता से बहुत कुछ सीखा है। मेरी शिक्षा संस्कार सब अच्छे हुए हैं। इसीलिए मैं तमाम लोगों से भी अपील करता हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दो।

पायलट ने कहा कि राजस्थान के साथ ही देश के अलग-अलग राज्यों में जो अतिवृष्टि हुई है, उससे पूरे उत्तर भारत और खासकर राजस्थान में बाढ़ के हालत हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि स्थिति बहुत जल्दी सामान्य होगी। उन्होंने कहा जिनको नुकसान हुआ है, उनको सहायता मिलनी चाहिए। इसलिए मैं बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए अपना एक माह का वेतन और और मेरी माता जी जो यहां मौजूद है, की भी एक माह की पेंशन बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए देता हूं। आगे उन्होंने कहा कि आप सब लोगों ने इतनी बड़ी संख्या में पहुंचकर मेरे को मान सम्मान दिया उसके लिए धन्यवाद देता हूँ।

> ■ **सचिन पायलट ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एक माह का वेतन और अपनी माता, पूर्व विधायक रमा पायलट की ओर से एक माह की पेंशन देने की घोषणा की।**

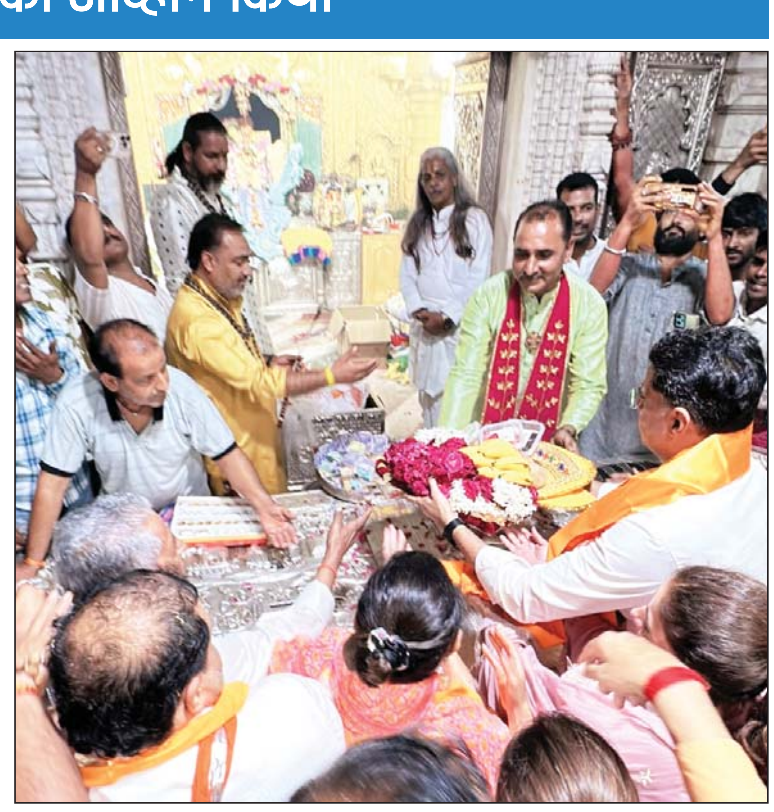

सचिन पायलट ने अपने 48वें जन्मदिन के मौके पर चित्तौड़गढ़ के सांवलिया सेठ जी मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान सचिन पायलट को जन्मदिन की बधाई देने के लिए हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ा।

वैष्णो देवी यात्रा स्थगित होने से स्थानीय कारोबार ठप्प हुआ

कटरा के व्यापारियों ने जबर्दस्त नुकसान के कारण ऋण माफी की मांग की

जम्मू, 07 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को लगातार 13वें दिन माता वैष्णो देवी यात्रा स्थगित रहने और लगभग शून्य कारोबार होने से कटरा के व्यापारिक समुदाय ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को जबर्दस्त नुकसान होने का दावा करते हुए ऋण माफी की मांग की है।

मौसम की प्रतिकूल स्थिति एवं तीर्थयात्रा मार्ग पर भूस्खलन की घटनाओं के कारण माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा स्थगित है। उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त को अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के निकट भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 34 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकांश तीर्थयात्री थे और कई लोग घायल हुए गए थे। होटल एवं रेस्तरां संघ कटरा के अध्यक्ष राकेश वजीर ने कहा, "श्राइन बोर्ड को यात्रा को पुनः शुरू करने और ट्रैक क्लीयरेंस की वर्तमान स्थिति पर एक स्पष्ट योजना बनानी चाहिए जिससे कई दिनों से इंतजार कर रहे तीर्थयात्रियों को यात्रा की स्थिति की वास्तविक जानकारी प्राप्त हो सके।"

वजीर ने कहा, "कटरा के साथ-साथ जम्मू, सांबा और कठुआ जैसे पड़ोसी जिलों में भी व्यापार बाधित हुआ है और हमें लगभग हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।" होटल व्यवसायी ने कहा कि घाटे की समीक्षा करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य सभी प्रमुख बैंकों को व्यापारिक समुदाय को ऋण माफी के रूप में राहत प्रदान करनी चाहिए।

कटरा ढ ाबा संघ के अध्यक्ष रोमेश डोगरा ने कहा, "इस समय कटरा शहर में व्यापार शून्य है और यात्रा स्थगित होने के कारण छोटे व्यापारियों सहित व्यापारिक समुदाय को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।" डोगरा ने रोपवे परियोजना का विरोध, महाकुंभ और पहलगाम आतंकवादी हमले जैसी घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि हमने इसका खामियाजा भुगता है और व्यापारी समुदायों को उचित मंच पर अपनी आवाज उठानी चाहिये। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त को हुए भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

जम्मू-कश्मीर जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालीन काबरा की अध्यक्षता वाली समिति दो सप्ताह के अंदर उपराज्यपाल सिन्हा को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपेगी। मौसम विभाग ने आठ-नौ सितंबर के लिए आंधी-तूफान, गरज के साथ तेज बारिश की चेतावनी भी जारी की है।

> ■ **कटरा के व्यापारियों के अनुसार लगातार यात्रा स्थगन के कारण कटरा, जम्मू, सांबा व कठुआ जिले के व्यवसायियों को करीब एक हजार करोड़ का नुकसान हुआ है।**

पांच हजार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2022 और 29 जनवरी 2023 को दो परीक्षाओं में शामिल हुआ था। दोनों के सेंटर टोंक में थे और दोनों ही परीक्षा डमी कैंडिडेट बिठा कर दिलाई थी। आरोपी वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा 2022 में फर्जी तरीके से चयनित हुआ।

इसके कारण आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर एसओजी ने उस पर पांच हजार का इनाम भी रखा। आरोपी पर धोखाधड़ी, जालसाजी और परीक्षा अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज हैं। अब पुलिस डमी परीक्षार्थियों और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908